भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1691.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

देश में गैस-आधारित बिजली परियोजनाएं

1691. श्री एन. बालगंगाः
श्री पि. भट्टाचार्यः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय प्रचालित गैस-आधारित बिजली परियोजनाओं का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) ऐसे संयंत्रों की उत्पादन क्षमता का पिछले दो वर्षों का वर्ष-वार, योजना-वार तथा राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा गैस-आधारित बिजली संयंत्रों से बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(घ) क्या सरकार देश में गैस-आधारित और अधिक बिजली परियोजनाओं को स्थापित करने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो तमिलनाडु और पश्चिमी बंगाल राज्य में स्थापित की जानी वाली परियोजनाओं सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क)- देश में वर्तमान में, प्रचालित गैस आधारित विद्युत परियोजनाओं का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध-1 पर दिया गया है।

(ख)- पिछले दो वर्षों के दौरान, प्रत्येक संयत्र की उत्पादन क्षमता का राज्यवार ब्यौरा अनुबंध-2 पर दिया गया है।

(ग)- सरकार देश में गैस के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के कदम उठाकर और देश में पुनः गैसीकृत तरलीकृत प्राकृतिक गैस (आरएलएनजी)के आयात को सुविधा प्रदान करके मौजूदा स्टेशनों के लिए गैस में वृद्धि करने की कोशिश कर रही है।

(घ)- भारत सरकार विद्युत संयंत्रों की स्थापना नहीं करती है।

(ड.)- उपर्युक्त (घ) के परिप्रेक्ष्य में प्रश्न नहीं उठता।

****

IBM

अनुबंध -I

राज्य सभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1691 के भाग (क) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

IIIIIIIIII

देश में गैस आधारित ताप विद्युत संयंत्र			
क्रम सं.	विद्युत केंद्र का नाम	संस्थापित क्षमता(मेगावाट)	राज्य में स्थिति
	मौजूदा केंद्र		
	केंद्रीय क्षेत्र		
1	फरीदाबाद सीसीपीपी	431.59	हरियाणा
2	औरैया सीसीपीपी	663.36	उत्तर प्रदेश
3	दादरी सीसीपीपी	829.78	उत्तर प्रदेश
4	रत्नागिरी सीसीपीपी	1967	महाराष्ट्र
5	यूरान सीसीपीपी	672	महाराष्ट्र
6	ट्रोम्बे सीसीपीपी	180	महाराष्ट्र
7	आई.पी सीसीपीपी	270	दिल्ली
8	प्रगति सीसीजीटी-ख्र्ख्र्	1000	दिल्ली
9	रिठाला सीसीपीपी	108	दिल्ली
10	प्रगति सीसीपीपी	330.4	दिल्ली
11	धौलपुर सीसीपीपी	330	राजस्थान
12	अन्ता सीसीपीपी	419.33	राजस्थान
13	रामगढ़ सीसीपीपी	113.8	राजस्थान
14	धूवरान सीसीपीपी	218.62	गुजरात
15	हजीरा सीसीपीपी विस्तार	156.1	गुजरात
16	गंधार सीसीपीपी	657.39	गुजरात
17	कवास सीसीपीपी	656.2	गुजरात
18	हजीरा सीसीपीपी विस्तार	351	गुजरात
19	उतरन सीसीपीपी	518	गुजरात
20	भटवा सीसीपीपी	100	गुजरात
21	बड़ौदा सीसीपीपी	160	गुजरात
22	एस्सार सीसीपीपी	515	गुजरात
23	पेगूहटन सीसीपीपी	655	गुजरात
24	सुगेन सीसीपीपी	1147.5	गुजरात
25	कराकल सीसीपीपी	32.5	पुदुचेरी
26	कोवीकलपल सीसीपीपी	107	तमिलनाडु
27	कुट्टलम सीसीपीपी	100	तमिलनाडु
28	करूप्पुर सीसीपीपी	119.8	तमिलनाडु
29	पी. नल्लूर सीसीपीपी	330.5	तमिलनाडु
30	वेलंटरवी सीसीपीपी	52.8	तमिलनाडु
31	वलूथूर सीसीपीपी	186.2	तमिलनाडु
32	कटहलगुड़ी सीसीपीपी	291	असम
33	लाकवा जीटी	157.2	असम
34	नामरूप सीसीपीपी	95	असम
35	नामरूप एसटी	24	असम
36	डीएलएफ असम जीटी	24.5	असम
37	बारामपुरा जीटी	58.5	त्रिपुरा
38	अगरतला जीटी	84	त्रिपुरा
39	रोखिआ जीटी	90	त्रिपुरा
40	गौतमी सीसीपीपी	464	आन्ध्रप्रदेश

41	जीएमआर इनर्जी लिमिटेड	220	आन्ध्रप्रदेश
42	गोदावरी सीसीपीपी	208	आन्ध्रप्रदेश
43	जेगुरूपड्डू सीसीपीपी	455.4	आन्ध्रप्रदेश
44	कोनासीमा सीसीपीपी	445	आन्ध्रप्रदेश
45	कोंडाप्पली विस्तार सीसीपीपी	366	आन्ध्रप्रदेश
46	कोंडाप्पली सीसीपीपी	350	आन्ध्रप्रदेश
47	पेड्डापुरम सीसीपीपी	220	आन्ध्रप्रदेश
48	वेमागिरी सीसीपीपी	370	आन्ध्रप्रदेश
49	विजेश्वरन सीसीपीपी	272	आन्ध्रप्रदेश
50	श्रीबा इंडस्ट्रिज	30	आन्ध्रप्रदेश
51	आर वी के इनर्जी	28	आन्ध्रप्रदेश
52	सिल्क रोड सुगर	35	आन्ध्रप्रदेश
53	एल वी एस पावर	55	आन्ध्रप्रदेश
	सकल योग	**17721.47**	
	एमडब्ल्यू- मेगावाट		
	सीसीपीपी- कंबाईंड साइकल पावर प्लांट		
	एनआर- उत्तरी क्षेत्र		
	डब्ल्यू आर-पश्चिमी क्षेत्र		
	जीटी- गैस टरबाइन		
	एनईआर- उत्तरी पूर्व क्षेत्र		
	सीसीजीटी- कंबाईंड साइकल गैस टरबाइन		
	मि.यू.- मिलियन यूनिट		

||||||||||

राज्य सभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1691 के भाग (ख) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

IIIIIIIIIII

देश में गैस आधारित ताप विद्युत संयंत्र					
क्रम सं.	**विद्युत केंद्र का नाम**	**संस्थापित क्षमता(मेगावाट)**	**राज्य में स्थिति**	**2010-11 में उत्पादन(मि.यू.)**	**2011-12 में उत्पादन(मि.यू.)**
	मौजूदा केंद्र				
	केंद्रीय क्षेत्र				
1	फरीदाबाद सीसीपीपी	431.59	हरियाणा	3155.4	3067.72
2	औरैया सीसीपीपी	663.36	उत्तर प्रदेश	4369.34	3878.62
3	दादरी सीसीपीपी	829.78	उत्तर प्रदेश	5399.88	5376.07
4	रत्नागिरी सीसीपीपी	1967	महाराष्ट्र	11876.85	11619.08
5	यूरान सीसीपीपी	672	महाराष्ट्र	5587.39	4668.78
6	ट्रोम्बे सीसीपीपी	180	महाराष्ट्र	1568.79	1567.9
7	आई.पी सीसीपीपी	270	दिल्ली	1368.32	1243.72
8	प्रगति सीसीजीटी-रुरुरु	1000	दिल्ली	6.09	331.38
9	रिठाला सीसीपीपी	108	दिल्ली	88.8	241.83
10	प्रगति सीसीपीपी	330.4	दिल्ली	2335.78	2560.05
11	धौलपुर सीसीपीपी	330	राजस्थान	1994.87	2253.77
12	अन्ता सीसीपीपी	419.33	राजस्थान	2487.9	2694.6
13	रामगढ़ सीसीपीपी	113.8	राजस्थान	301.13	536.79
14	धूवरान सीसीपीपी	218.62	गुजरात	891.38	1008.7
15	हजीरा सीसीपीपी विस्तार	156.1	गुजरात	1022.81	907.62
16	गंधार सीसीपीपी	657.39	गुजरात	4058.06	3684.07
17	कवास सीसीपीपी	656.2	गुजरात	3882.14	3638.4
18	हजीरा सीसीपीपी विस्तार	351	गुजरात	0	0
19	उतरन सीसीपीपी	518	गुजरात	2947.22	2987.98
20	भटवा सीसीपीपी	100	गुजरात	670.53	459.26
21	बड़ौदा सीसीपीपी	160	गुजरात	843.55	668.74
22	एस्सार सीसीपीपी	515	गुजरात	1443.7	135.89
23	पेगूहटन सीसीपीपी	655	गुजरात	3667.45	3067.07
24	सुगेन सीसीपीपी	1147.5	गुजरात	8216.99	7592.16
25	कराकल सीसीपीपी	32.5	पुदुचेरी	195.45	251.46
26	कोवीकलपल सीसीपीपी	107	तमिलनाडु	663.76	705.75
27	कुट्टलम सीसीपीपी	100	तमिलनाडु	172.58	413.29
28	करूप्पुर सीसीपीपी	119.8	तमिलनाडु	820.38	797.1
29	पी. नल्लूर सीसीपीपी	330.5	तमिलनाडु	2494.06	1526.19
30	वेलंटरवी सीसीपीपी	52.8	तमिलनाडु	370.17	377.51
31	वलूथूर सीसीपीपी	186.2	तमिलनाडु	547.67	1114.56
32	कटहलगुड़ी सीसीपीपी	291	असम	1833.87	1765.17
33	लाकवा जीटी	157.2	असम	766.25	771.99
34	नामरूप सीसीपीपी	95	असम	508.73	565.73
35	नामरूप एसटी	24	असम	21.08	0
36	डीएलएफ असम जीटी	24.5	असम	67.42	0

37	बारामपुरा जीटी	58.5	त्रिपुरा	225.82	357.62
38	अगरतला जीटी	84	त्रिपुरा	644.1	666.12
39	रोखिआ जीटी	90	त्रिपुरा	443.5	419.1
40	गौतमी सीसीपीपी	464	आन्ध्रप्रदेश	3331.07	2898.67
41	जीएमआर इनर्जी लिमिटेड	220	आन्ध्रप्रदेश	960.49	1200.03
42	गोदावरी सीसीपीपी	208	आन्ध्रप्रदेश	1464.36	1282.46
43	जेगुरूपड्डू सीसीपीपी	455.4	आन्ध्रप्रदेश	3094.23	2833.49
44	कोनासीमा सीसीपीपी	445	आन्ध्रप्रदेश	2350.49	2266.22
45	कोंडाप्पली विस्तार सीसीपीपी	366	आन्ध्रप्रदेश	2043.68	2203.54
46	कोंडाप्पली सीसीपीपी	350	आन्ध्रप्रदेश	2133.77	2030.94
47	पेड्डापुरम सीसीपीपी	220	आन्ध्रप्रदेश	1427.37	1318.82
48	वेमागिरी सीसीपीपी	370	आन्ध्रप्रदेश	2815.56	2066.81
49	विजेश्वरन सीसीपीपी	272	आन्ध्रप्रदेश	0	0
50	श्रीबा इंडस्ट्रिज	30	आन्ध्रप्रदेश	0	0
51	आर वी के इनर्जी	28	आन्ध्रप्रदेश	0	0
52	सिल्क रोड सुगर	35	आन्ध्रप्रदेश	0	0
53	एल वी एस पावर	55	आन्ध्रप्रदेश	0	0
	सकल योग	**17721.47**		**97580.23**	**92022.77**

एमडब्ल्यू- मेगावाट

सीसीपीपी- कंबाईंड साइकल पावर प्लांट

एनआर- उत्तरी क्षेत्र

डब्ल्यू आर-पश्चिमी क्षेत्र

जीटी- गैस टरबाइन

एनईआर- उत्तरी पूर्व क्षेत्र

सीसीजीटी- कंबाईंड साइकल गैस टरबाइन

मि.यू.- मिलियन यूनिट

||||||||||

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1692
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

देश में चल रही विद्युत परियोजनाएं

अ1692. श्री भूपेन्द्र यादवः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में चल रही विद्युत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह परियोजनाएं अपनी निर्धारित अवधि से लगातार विलंब से प्रगति कर रही है;

(ग) क्या इन परियोजनाओं में देरी के कारण इन पर होने वाला व्यय लगातार बढ़ रहा है; और

(घ) सरकार समयबद्ध तरीके से उक्त परियोजनाओं को पूरा करने के लिए क्या प्रयास कर रही है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) से (ग)- देश में 107 ताप विद्युत परियोजनाएं और 50 जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं और इन परियोजनाओं का ब्यौरा क्रमशः **अनुबंध-रु** और **अनुबंध-रुरु** पर संलग्न है ।

चालू होने के अपने निर्धारित समय से पीछे चल रही निर्माणाधीन ताप और जल विद्युत परियोजनाओं की लागत वृद्धि के साथ ब्यौरा क्रमशः **अनुबंध-रुरुरु** व रुञ पर संलग्न है ।

(घ) - सरकार द्वारा लागत वृद्धि रोकने और विद्युत की कमी को पूरा करने के लिए विद्युत परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से चालू किए जाने में तीव्रता लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ जल विद्युत विकास से संबंधित सभी मामलों, जिसमें परियोजना प्रभावित लोगों के पुनर्वास और पुनर्स्थापन मामले शामिल हैं, की जांच करने के लिए जलविद्युत परियोजना विकास पर कार्यबल का गठन, पूर्वोत्तर क्षेत्र में जलविद्युत विकास का मार्गदर्शन करने और इसमें तेजी लाने के लिए एक उपयुक्त ढांचा तैयार करने के लिए अंतर्मंत्रालयी समूह (आईएमजी) का गठन, परियोजनाओं का कार्यान्वयन समय पर सुनिश्चित करने के लिए हाइड्रो/थर्मल परियोजनाओं की प्रगति का स्वतंत्र रूप से अनुवर्तन और निगरानी करने के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा विद्युत परियोजना मॉनीटरिंग पैनल का गठन और विद्युत क्षेत्र से संबंधित आवधिक मामलों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने तथा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में सुधार का सुझाव देने के लिए माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की अध्यक्षता में सलाहकार समूह का गठन करना शामिल है।

****

IBM

राज्य सभा मे दिनांक 12.03.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1692 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

देश में निर्माणाधीन ताप विद्युत परियोजनाओं की सूची (07 मार्च, 2013 की स्थिति के अनुसार)

क्रम सं.	क्षेत्र/राज्य	परियोजना के नाम	यूनिट	क्षमता (मेवा)	चालू किए जाने का प्रत्याशित कार्यक्रम
		केंद्रीय क्षेत्र			
1	*असम*	बोंगई गांव टीपीपी	यू-1	250	जून -14
			यू -2	250	मई -15
			यू -3	250	अक्टूबर -15
2	*बिहार*	बाढ़ एसटीपीपी-1	यू -1	660	जून -15
			यू -2	660	अप्रैल -16
			यू -3	660	फरवरी -17
3	*बिहार*	बाढ़ एसटीपीपी -2	यू -4	660	अक्टूबर -13
			यू -5	660	सितंबर -14
4	*बिहार*	मुजफ्फपुर टीपीपी एक्स.	यू-3	195	जून -14
			यू-4	195	सितंबर -14
5	*बिहार*	नबी नगर टीपीपी	यू-1	250	जुलाई -14
			यू-2	250	जनवरी -15
			यू-3	250	जुलाई -15
			यू-4	250	जनवरी -16
6	*झारखंड*	बोकारो टीपीएस 'क' एक्स.	यू-1	500	अगस्त -14
7	*कर्नाटक*	कुडगी एसटीपीपी फेज-ख्	यू-1	800	अग.-16
			यू-2	800	अक्तू-16
			यू-3	800	मार्च-17
8	*महाराष्ट्र*	मौदा एसटीपीपी-ख्ख्	यू-3	660	जुलाई-16
			यू-4	660	जन.-17
9	*महाराष्ट्र*	मौदा टीपीपी	यू-2	500	मार्च-13
10	*महाराष्ट्र*	सोलापुर एसटीपीपी	यू-1	660	जुलाई-16
			यू-2	660	जन.-17
11	*मध्य प्रदेश*	विन्ध्याचल टीपीपी-ख्ज	यू-12	500	मार्च -13
12	*मध्य प्रदेश*	विन्ध्याचल टीपीपी-ज	यू-13	500	मई-14
13	*तमिलनाडु*	नेवली टीपीएस-ख्ख् एक्स.	यू-2	250	मार्च -14
14	*तमिलनाडु*	तूतीकोरिन जेवी	यू-1	500	दिसंबर -13
			यू-2	500	मार्च -14
15	*तमिलनाडु*	वेल्लूर टीपीपी-ख्ख्	यू-3	500	सितंबर -13
16	*त्रिपुरा*	मोनार्चक सीसीपीपी	जीटी&एसटी	101	मई -14
17	*त्रिपुरा*	त्रिपुरा गैस	मोड्यूल	363.3	जुलाई-13
18	*उत्तर प्रदेश*	मेजा एसटीपीपी	यू-1	660	अग.-16
			यू-2	660	फर.-17
19	*उत्तर प्रदेश*	रिहन्द टीपीपी- ख्ख्ख्	यू-6	500	नवंबर -13
20	*पश्चिम बंगाल*	रघुनाथपुर टीपीपी, च.-ख्	यू-1	600	जुलाई -13
			यू-2	600	मार्च -14
		राज्य क्षेत्र			
21	*आंध्र प्रदेश*	दामोदरम संजीवैया	यू-1	800	मई -14
			टीपीएस		
			यू-2	800	नवंबर -14
22	*आंध्र प्रदेश*	काकातिया टीपीपी एक्स	यू-1	600	मई -14
23	*आंध्र प्रदेश*	रायलसीमा चरण-ख्ख्ख्, यू-6	यू-6	600	दिसंबर -15
24	*असम*	नामरूप सीसीजीटी	जीटी	70	सितंबर -13

			एसटी	30	दिसंबर -13
25	*छत्तीसगढ़*	कोरबा पश्चिम च.-ख्रख्रख्र.	यू -5	500	मार्च -13
26	*छत्तीसगढ़*	मारवा टीपीपी	यू -1	500	जून -13
			यू -2	500	अक्टूबर -13
27	*दिल्ली*	प्रगति सीसीजीटी द्व ख्रख्रख्र	जीटी -4	250	अप्रैल -13
28	*दिल्ली*	प्रगति सीसीजीटी - ख्रख्रख्र	एसटी-2	250	जुलाई -13
29	*गुजरात*	भावनगर सीएफबीसी टीपीपी	यू -1	250	अक्टू-14
			यू -2	250	फर.-15
30	*गुजरात*	पीपावाव सीसीपीपी	ब्लॉक-1	351	जुलाई -13
			ब्लॉक-2	351	मार्च -13
31	*गुजरात*	सिक्का टीपीपी एक्सटेशन	यू-3	250	नवंबर -13
			यू-4	250	फरवरी -14
32	*महाराष्ट्र*	चन्द्रपुर टीपीएस	यू-8	500	सितंबर -13
			यू-9	500	दिसंबर -13
33	*महाराष्ट्र*	कोराडी टीपीपी एक्स	यू-10	660	मार्च -15
			यू-8	660	मई -14
			यू-9	660	अक्टूबर -14
34	*महाराष्ट्र*	पर्ली टीपीपी एक्स..	यू-8	250	दिसंबर -13
35	*मध्य प्रदेश*	मालवा टीपीपी	यू-1	600	जून -13
		(श्री सिंगाजी टीपीपी)	यू-2	600	दिसंबर -13
36	*मध्य प्रदेश*	सतपुड़ा टीपीपी एक्स	यू-10	250	मार्च -13
			यू -11	250	जुलाई -13
37	*राजस्थान*	छाबड़ा टीपीपी एक्स.	यू -3	250	मई -13
			यू -4	250	सितंबर -13
38	*राजस्थान*	कालीसिंध टीपीएस	यू -1	600	अगस्त -13
			यू -2	600	दिसंबर -13
39	*राजस्थान*	रामगढ़ सीसीपीपी एक्स-ख्रख्रख्र	जीटी	110	मार्च -13
			एसटी	50	अगस्त -13
40	*तमिलनाडु*	उत्तरी चेन्नई एक्स, यू-1	यू-1	600	जुलाई -13
41	*तमिलनाडु*	उत्तरी चेन्नई एक्स, यू-2	यू-2	600	मार्च -13
42	*उत्तर प्रदेश*	अनपरा डी	यू- 6	500	फरवरी -14
			यू-7	500	जून -14
43	*उत्तर प्रदेश*	परीच्छा एक्स	यू -6	250	मार्च -13
44	*पश्चिम बंगाल*	दुर्गापुर टीपीएस एक्स.	यू-8	250	दिस.-13
45	*पश्चिम बंगाल*	सागरदिघी टीपीपी-ख्रख्र	यू-3	500	जुलाई-14
			यू-4	500	अक्तू-14
		निजी क्षेत्र			
46	*आंध्र प्रदेश*	भावनपुडु टीपीपी	यू-1	660	अक्टूबर -15
			यू-2	660	मार्च -16
47	*आंध्र प्रदेश*	एनसीसी टीपीपी	यू-1	660	मार्च -16
			यू-2	660	सितंबर -16
48	*आंध्र प्रदेश*	पैनमपुरम टीपीपीसीसी	यू-1	660	सितंबर -14
			यू-2	660	दिसंबर -14
49	*आंध्र प्रदेश*	सीम्हापुरी एनर्जी प्रा.लि. च.ख्रख्र	यू-3	150	जून -13
			यू-4	150	सितंबर -13
50	*आंध्र प्रदेश*	थम्मीनापटनम टीपीपी -ख्र	यू-2	150	मार्च -13
51	*आंध्र प्रदेश*	थम्मीनापटनम टीपीपी --ख्रख्र	यू-3	350	अक्टूबर -14
			यू-4	350	जनवरी -15
52	*आंध्र प्रदेश*	वाइजाग टीपीपी	यू-1	525	फरवरी -14

			यू-2	525	जून -14
53	*छतीसगढ़*	अकलतारा (नईयारा) टीपीपी	यू -1	600	जून -13
			यू-2	600	अक्टूबर -13
			यू-3	600	जून -14
			यू-4	600	अगस्त -14
54	*छतीसगढ़*	अवंथा भंदर टीपीएस,यू-1	यू-1	600	सितंबर -13
55	*छतीसगढ़*	बाल्को टीपीपी	यू -1	300	मार्च-14
			यू-2	300	जन-14
56	*छतीसगढ़*	बंदकहार टीपीपी लि.	यू-1	300	अगस्त -14
57	*छतीसगढ़*	बाराडाढ़ा	यू-1	600	अगस्त -13
			यू-2	600	फर. -14
58	*छतीसगढ़*	बिंजकोट टीपीपी	यू-1	300	सितंबर -14
			यू-2	300	दिसंबर -14
			यू-3	300	सितं -15
			यू-4	300	जन .-16
59	*छतीसगढ़*	चकाबुरा टीपीपी	यू-1	30	सितं.-13
60	*छतीसगढ़*	लेंको अमरकंटक टीपीएस- रूरू	यू-3	660	मई -14
			यू-4	660	सितंबर -14
61	*छतीसगढ़*	रायगढ़ टीपीपी (वीजा)	यू-1	600	मार्च-14
62	*छतीसगढ़*	रायखेड़ा टीपीपी	यू-1	685	मई -14
			यू-2	685	नवंबर -14
63	*छतीसगढ़*	सिंहितारई टीपीपी	यू-1	600	फरवरी -15
			यू-2	600	मई -15
64	*छतीसगढ़*	स्वास्तिक टीपीपी	यू-1	25	मई -13
65	*छतीसगढ़*	तामनर टीपीपी (रायगढ़)	यू-1	600	फरवरी -14
			यू-2	600	जून -14
			यू-3	600	मार्च -15
			यू-4	600	अग. -15
66	*छतीसगढ़*	टीआरएन एनर्जी टीपीपी	यू-1	300	अगस्त -14
			यू-2	300	दिसंबर -14
67	*छतीसगढ़*	उचपिंडा टीपीपी	यू-1	360	अक्टूबर -13
			यू-2	360	जनवरी -14
			यू-3	360	अप्रैल -14
			यू-4	360	जुलाई -14
68	*छतीसगढ़*	वंदना विद्युत टीपीपी	यू-1	135	मार्च -13
			यू-2	135	अगस्त -13
69	*गुजरात*	मुंद्रा यूएमटीपीपी	यू-5	800	मार्च-13
70	*झारखंड*	महादेव प्रसाद एसटीपीपी चरण	यू-2	270	जुलाई -13
71	*झारखंड*	मैत्रिसी उषा टीपीपी - चरण-रू	यू-1	270	दिसं -13
			यू-2	270	मार्च-14
72	*झारखंड*	मैत्रिसी उषा टीपीपी चरण-रूरू	यू-3	270	अग. -14
			यू-4	270	दिसं -14
73	*झारखंड*	तोरि टीपीपी	यू-1	600	अप्रैल -15
			यू-2	600	अगस्त -15
74	*महाराष्ट्र*	अमरावती टीपीपी चरण-रू	यू-1	270	मार्च -13
			यू-2	270	जून -13
			यू-3	270	सितंबर -13
			यू-4	270	दिसंबर -13
			यू-5	270	मई -14
75	*महाराष्ट्र*	अमरावती टीपीपी चरण-रूरू	यू-1	270	ॐ
			यू-2	270	ॐ

IBM

			यू-3	270	ॐ
			यू-4	270	ॐ
			यू-5	270	ॐ
76	*महाराष्ट्र*	बेला टीपीपी-रु	यू-1	270	मार्च -13
77	*महाराष्ट्र*	धारीवाल इन्फ्रास्ट्रक्चर टीपीपी	यू-1	300	अप्रैल -13
			यू-2	300	अगस्त -13
78	*महाराष्ट्र*	एमको वारोरा टीपीपी	यू-2	300	जून -13
79	*महाराष्ट्र*	लेंको विदर्भ टीपीपी	यू-1	660	दिसं. -14
			यू-2	660	मार्च -15
80	*महाराष्ट्र*	नासिक टीपीपी चरण-रु	यू-1	270	मई -13
			यू-2	270	अगस्त -13
			यू-3	270	नवंबर -14
			यू-4	270	जनवरी -15
			यू-5	270	मार्च -15
81	*महाराष्ट्र*	नासिक टीपीपी चरण-रुरु	यू-1	270	ॐ
			यू-2	270	ॐ
			यू-3	270	ॐ
			यू-4	270	ॐ
			यू-5	270	ॐ
82	*महाराष्ट्र*	तिरोरा टीपीपी चरण-रु	यू-2	660	मार्च -13
83	*महाराष्ट्र*	तिरोरा टीपीपी चरण-रुरु	यू-1	660	मई -13
			यू-2	660	अगस्त -13
			यू-3	660	नवंबर -13
84	*मध्य प्रदेश*	अनूपुर टीपीपी चरण-रु	यू-1	600	जुलाई -14
			यू-2	600	फरवरी -15
85	*मध्य प्रदेश*	बीना टीपीपी	यू-2	250	मार्च -13
86	*मध्य प्रदेश*	गॉर्गी टीपीपी	यू-1	660	जून -16
87	*मध्य प्रदेश*	माहन टीपीपी	यू-2	600	जुलाई -13
88	*मध्य प्रदेश*	निगरी टीपीपी	यू-1	660	मार्च -14
			यू-2	660	सितं. -14
89	*मध्य प्रदेश*	ससन यूएमपीपी	यू-1	660	मार्च-14
			यू-2	660	सितं-13
			यू-3	660	अप्रैल-13
			यू-4	660	जुलाई-14
			यू-5	660	दिसं-14
			यू-6	660	मई-15
90	*मध्य प्रदेश*	सियोनी टीपीपी चरण-रु	यू-1	600	जनवरी -14
91	*ओडिशा*	दिरंग टीपीपी	यू-1	600	नवंबर -13
			यू-2	600	फरवरी -14
92	*ओडिशा*	इंड भारत टीपीपी(*ओडिशा*)	यू-1	350	सितंबर -13
			यू-2	350	दिसंबर -13
93	*ओडिशा*	कामालंगा टीपीपी	यू-1	350	मार्च -13
			यू-2	350	जून -13
			यू-3	350	सितंबर -13
94	*ओडिशा*	केवीके नीलांचल टीपीपी	यू-1	350	जनवरी -14
			यू-2	350	अगस्त -15
			यू-3	350	दिसं.-15
95	*ओडिशा*	लेंको बाबंध टीपीपी	यू-1	660	जुलाई-14
			यू-2	660	दिसं-14
96	*ओडिशा*	मालीब्राह्मनी टीपीपी	यू-1	525	मई-14

97	*पंजाब*	गोंडवाल साहिब	यू-1	270	जून-13
			यू-2	270	अक्टू-13
98	*पंजाब*	राजपुरा टीपीपी (नाभा)	यू-1	700	जन-14
			यू-2	700	मार्च-14
99	*पंजाब*	तलबंडी साबो टीपीपी	यू-1	660	दिसं.-13
			यू-2	660	अप्रै.-14
			यू-3	660	जु.-14
100	*राजस्थान*	जलिपा कपूरडी टीपीपी	यू-6	135	ꞔ
			यू-7	135	ꞔ
			यू-8	135	ꞔ
101	*राजस्थान*	कवाई टीपीपी		660	अप्रैल-13
102	*राजस्थान*	कवाई टीपीपी	यू-2	660	जुलाई-13
103	*तमिलनाडु*	मेलामरूथ्र टीपीपी	यू-1	600	जुलाई-13
			यू-2	600	नवं.-13
104	*तमिलनाडु*	तुतिकोरिन टीपीपी (इंड - बारथ टीपीपी)	यू-1	660	मार्च-16
105	*उत्तर प्रदेश*	ललितपुर टीपीपी	यू-1	660	अक्टू-14
			यू-2	660	फरवरी-15
			यू-3	660	जून-15
106	*उत्तर प्रदेश*	प्रयागराज बारा टीपीपी	यू-1	660	जुलाई.-14
			यू-2	660	नवं.-14
			यू-3	660	मार्च.-15
107	*पश्चिम बंगाल*	हल्दिया टीपीपी-ॐ	यू-1	300	अगस्त-14
			यू-2	300	नवं.-14

ॐ कार्यस्थल पर कोई कार्य नहीं चल रहा है। स्थल पर कार्य पुनः शुरू होने के पश्चात चालू होने की तिथि निर्धारित की जाएगी।

ꞔ जालिपा खदानों के विकास में देरी के कारण चालू किए जाने की तिथि का निर्धारण जालिपा खदानों के विकास के बाद अथवा विद्यमान खदानों से उत्पादन बढ़ाने की अनुमति मिलने के बाद किया जाएगा।

अनुबंध -II

राज्य सभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1692 के भाग(क) से (ग) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

IIIII

निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाओं की सूची
(नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन परियोजनाओं को छोड़कर)

28.02.2013 के अनुसार

क्र सं	क्षेत्र/ परियोजना का नाम	राज्य	क्षमता (मेगावाट)
	केंद्रीय क्षेत्र		
1	उरी-II	जम्मू एवं कश्मीर	240
2	नीमू बाजगो	जम्मू एवं कश्मीर	45
3	किशनगंगा	जम्मू एवं कश्मीर	330
4	पार्वती चरण II	हिमाचल प्रदेश	800
5	पार्वती चरण III	हिमाचल प्रदेश	520
6	कोल डैम	हिमाचल प्रदेश	800
7	रामपुर	हिमाचल प्रदेश	412
8	तपोवन विष्णुगाड	उत्तराखंड	520
9	टेहरी पीएसएस	उत्तराखंड	1000
10	लाता तपोवन	उत्तराखंड	171
11	तीस्ता लो डैम-III	प. बंगाल	33
12	तीस्ता लो डैम-I६	प. बंगाल	160
13	सुबंसिरी लोअर	अरूणाचल प्रदेश	2000
14	कामेंग	अरूणाचल प्रदेश	600
15	पारे	अरूणाचल प्रदेश	110
16	तुरियल	मिजोरम	60
	राज्य क्षेत्र		
17	बगलीहार-ख्ख्	जम्मू एवं कश्मीर	450
18	उहल-ख्ख्ख्	हिमाचल प्रदेश	100
19	कशांग-ख्	हिमाचल प्रदेश	65
20	कशांग-ख्ख् एवं ख्ख्ख्	हिमाचल प्रदेश	130
21	सैंज	हिमाचल प्रदेश	100
22	स्वारा कुड्डु	हिमाचल प्रदेश	111
23	शोंगटोंग करचम	हिमाचल प्रदेश	450
24	कोयना लेफ्ट बैंक पीएसएस	महाराष्ट्र	80
25	नागार्जुन सागर टीआर	आंध्र प्रदेश	50
26	लोअर जुराला	आंध्र प्रदेश	240
27	पुलीचिंताला	आंध्र प्रदेश	120
28	पल्लीवसल	केरल	60
29	थाट्टीयार	केरल	40
30	भवानी बैराज ख्ख्	तमिलनाडु	15

क्र सं	क्षेत्र/ परियोजना का नाम	राज्य	क्षमता (मेगावाट)
31	भवानी बैराज ख्ख्ख्	तमिलनाडु	30
32	मिंटडू यूनिट 3	मेघालय	42
33	नई उमतरू	मेघालय	40
	निजी क्षेत्र		
34	सोरांग	हिमाचल प्रदेश	100
35	टांगू रोमई- ख्	हिमाचल प्रदेश	44
36	श्रीनगर	उत्तराखंड	330
37	फाटा ब्योंग	उत्तराखंड	76
38	सिंगोली भटवारी	उत्तराखंड	99
39	महेश्वर	मध्य प्रदेश	400
40	चुजाचेन	सिक्किम	99
41	तीस्ता- ख्ख्ख्	सिक्किम	1200
42	टीडोंग ख्	हिमाचल प्रदेश	100
43	तीस्ता- ज्ख्	सिक्किम	500
44	रंगित-ख्ज्	सिक्किम	120
45	जोरथांग लूप	सिक्किम	96
46	भस्मे	सिक्किम	51
47	टीशिडींग	सिक्किम	97
48	डीक्चू	सिक्किम	96
49	रंगित-ख्ख्ख्	सिक्किम	66
50	रोंगनीचु	सिक्किम	96

IBM

अनुबंध-रूरूरू

राज्य सभा मे दिनांक 12.03.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1692 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

निर्धारित कार्यक्रम में शुरू होने वाली निर्माणाधीन ताप विद्युत परियोजनाओं के पिछडने के कारण सहित ब्यौरा

राज्य	परियोजना नाम	यूनिट सं.	क्षमता (मेवा)	चालू होने का निर्धारित समय	चालू किए जाने का प्रत्याशित कार्यक्रम	वास्तविक लागत (करोड रू. में)	अद्यतन लागत (करोड रू. में)	लागत आधिक्य (करोड रू. में)
	केंद्रीय क्षेत्र							
असम	बोगई गांव टीपीपी	यू-1	250	जनवरी-11	जून -14	4375.35	4375.35	0
		यू -2	250	मई-11	मई -15			
		यू -3	250	सितम्बर-11	अक्टूबर -15			
बिहार	बाढ़ एसटीपीपी-1	यू -1	660	अक्तूबर-13	जून -15	8693	8693	0
		यू -2	660	अप्रैल-14	अप्रैल -16			
		यू -3	660	अक्तूबर-14	फरवरी -17			
बिहार	बाढ़ एसटीपीपी -2	यू -4	660	दिसंबर-12	अक्टूबर -13	7341.04	7341.04	0
		यू -5	660	अक्टूबर-13	सितंबर -14			
बिहार	मुजफ्फपुर टीपीपी एक्स. (कांटी टीपीपी च.-रूरू)	यू-3	195	अक्टूबर-12	जून -14	3154.33	3154.33	0
		यू-4	195	जनवरी -13	सितंबर -14			
बिहार	नबी नगर टीपीपी	यू-1	250	मई-13	जुलाई -14	5352.51	5352.51	0
		यू-2	250	सितंबर-13	जनवरी -15			
		यू-3	250	जनवरी द्ध14	जुलाई -15			
		यू-4	250	मई-14	जनवरी -16			
झारखंड	बोकारो टीपीएस 'क' एक्स.	यू-1	500	दिसंबर-11	अगस्त -14	2313	3552.18	1239.18
महाराष्ट्र	मौदा टीपीपी	यू-2	500	अक्टूबर-12	मार्च -13	5459.28 (2 यूनिट)	6010.89 (2 यूनिट)	551.61
मध्य प्रदेश	विन्ध्याचल टीपीपी-रूज	यू-12	500	दिसंबर-12	मार्च -13	5915 (2 यूनिट)	5915 (2 यूनिट)	0
तमिलनाडु	नेवेली टीपीएस-रूरू एक्स.	यू-2	250	जून-09	मार्च -14	2030.78 (2 यूनिट)	3027.59 (2 यूनिट)	996.81
तमिलनाडु	तूतीकोरिन सं.उ.टीपीपी	यू-1	500	मार्च-12	दिसंबर -13	4909.54	6478.92	0
		यू-2	500	अगस्त-12	मार्च -14			
तमिलनाडु	वल्लूर टीपीपी च.-रूरू	यू-3	500	दिसंबर-12	सितंबर -13	3086.78	3086.78	0
त्रिपुरा	मानार्चक सीसीपीपी	जीटीऽएसटी	101	जुलाई-13	मई -14	623.44	623.44	0
त्रिपुरा	त्रिपुरा गैस	मोड्यूल-1	363.3	दिसंबर -11	03.01.13ए	3429	3429	0
		मोड्यूल-2	363.3	मार्च-12	जुलाई -13			0
उत्तर प्रदेश	रिहन्द टीपीएस- रूरूरू	यू-6	500	दिसंबर-12	नवंबर -13	6230.81 (2 यूनिट)	6230.81 (2 यूनिट)	0
पश्चिम बंगाल	रघुनाथपुर टीपीपी, च.-रू	यू-1	600	फरवरी-11	जुलाई -13	4122	6745	2623
		यू-2	600	मई-11	अप्रैल -14			
	राज्य क्षेत्र							
आंध्र प्रदेश	दामोदरम संजीवैय्या टीपीपी	यू-1	800	जुलाई-12	मई -14	8432	8654	222
		यू-2	800	जनवरी -13	नवंबर -14			
आंध्र प्रदेश	काकातिया टीपीपी एक्स	यू-1	600	जुलाई-12	मई -14	2968.64	3466	497.36
आंध्र प्रदेश	रायलसीमा चरण-रूरूरू	यू-6	600	जुलाई-14	दिसंबर -15	3028.86	3525	496.14
असम	नामरूप सीसीजीटी	जीटी	70	सितंबर-11	सितंबर -13	411	693.73	282.73
		एसटी	30	जनवरी -12	दिसंबर -13			
छतीसगढ़	कोरबा पश्चिम च.-रूरूरू.	यू -5	500	मई-12	मार्च -13	2309.34	3156	846.66
छतीसगढ़	मारवा टीपीपी	यू -1	500	मई-12	जून -13	4735	6318	1583
		यू -2	500	जुलाई-12	अक्टूबर -13			

दिल्ली	प्रगति सीसीजीटी - **	जीटी -4	250	सितंबर-10	अप्रैल -13	5195.81 (4 जीटी उ 2 एसटी)	5195.81 (4 जीटी उ 2 एसटी)	0
		एसटी-2	250	नवंबर-10	जुलाई -13			
गुजरात	पीपावाव सीसीपीपी	ब्लॉक-1	351	सितंबर-10	जुलाई -13	2354.29	2545.58	191.29
		ब्लॉक-2	351	नवंबर-10	मार्च -13			
गुजरात	सिक्का टीपीपी एक्सटेंशन	यू-3	250	अक्टूबर-13	नवंबर -13	2004	2356	352
		यू-4	250	जनवरी -14	फरवरी -14			
गुजरात	उकई टीपीपी एक्स.	यू-6	500	जनवरी -11	मार्च -13	1950	2135	185
गुजरात	भावनगर सीएफबीसी टीपीपी	यू-1	250	अक्टूबर-13	अक्टूबर -14	3742.08	3742.08	0
		यू-2	250	दिसंबर-13	फरवरी -15			
महाराष्ट्र	चन्द्रपुर टीपीएस	यू-8	500	जून-12	सितंबर -13	5500	5500	0
		यू-9	500	सितंबर-12	दिसंबर -13			
महाराष्ट्र	कोरडी टीपीपी एक्स	यू-8	660	दिसंबर-13	मई -14	11880	11880	0
		यू-9	660	जून-14	अक्टूबर -14			
		यू-10	660	दिसंबर-14	मार्च -15			
महाराष्ट्र	पार्ली टीपीपी एक्स..	यू-8	250	जनवरी -12	दिसंबर -13	1375	1696.24	321.24
मध्य प्रदेश	मालवा टीपीपी (श्री सिंगाजी टीपीपी)	यू-1	600	जून-12	जून -13	4053	6750	2697
		यू-2	600	अक्टूबर-12	दिसंबर -13			
मध्य प्रदेश	सतपुड़ा टीपीपी एक्स	यू-10	250	फरवरी-12	मार्च -13	2350	3032.34	682.34
		यू -11	250	अप्रैल-12	जुलाई -13			
राजस्थान	छाबड़ा टीपीपी एक्स.	यू -3	250	मई-11	मई -13	2200	2200	0
		यू -4	250	जुलाई-11	सितंबर -13			
राजस्थान	कालीसिंध टीपीएस	यू -1	600	अगस्त-11	अगस्त -13	4600	5500	900
राजस्थान	कालीसिंध टीपीएस	यू -2	600	मार्च-12	दिसंबर -13			
राजस्थान	रामगढ सीसीपीपी एक्स-**	जीटी	110	मई-11	मार्च -13	640	640	0
		एसटी	50	अक्टूबर-11	अगस्त -13			
तमिलनाडु	उत्तरी चेन्नई टीपीपी एक्स,	यू-1	600	अप्रैल-11	जुलाई -13	3398	3552	154
		यू-2	600	नवंबर-11	मार्च -13	2718.75	2813.58	94.83
उत्तर प्रदेश	अनपरा डी	यू- 6	500	मार्च-11	फरवरी -14	5358.79	5358.79	0
		यू-7	500	जून-11	जून -14			
उत्तर प्रदेश	परीच्छा एक्स	यू -6	250	नवंबर-09	मार्च -13	1900 (2 यूनिट)	2356 (2 यूनिट)	456
	निजी क्षेत्र							
आंध्र प्रदेश	भावनपडु टीपीपी	यू-1	660	अक्टूबर-13	अक्टूबर -15	6571.94	6571.94	0
		यू-2	660	मार्च-14	मार्च -16			
आंध्र प्रदेश	एनसीसी टीपीपी	यू-1	660	मार्च-15	मार्च -16	7046	7046	0
		यू-2	660	जून-15	सितंबर -16			
आंध्र प्रदेश	पैनमपुरम टीपीपी	यू-1	660	मई-14	सितंबर -14	6869	6869	0
		यू-2	660	अगस्त-14	दिसंबर -14			
आंध्र प्रदेश	सीम्हापुरी एनर्जी प्रा.लि. च.**	यू-3	150	दिसंबर-11	जून -13	1605.9	1605.9	0
		यू-4	150	फरवरी-12	सितंबर -15			
आंध्र प्रदेश	थम्मीनापटनम टीपीपी -*	यू-2	150	नवंबर-11	मार्च -13	1420 (2 यूनिट)	1428 (2 यूनिट)	8
आंध्र प्रदेश	थम्मीनापटनम टीपीपी --**	यू-3	350	मई-12	अक्टूबर -14	3120	3700	580
		यू-4	350	अगस्त-12	जनवरी -14			
आंध्र प्रदेश	वाइजैग टीपीपी	यू-1	520	जून-13	फरवरी -14	5545	5545	0
		यू-2	520	सितंबर-13	जून -14			
छत्तीसगढ़	अकलतारा (नईयारा) टीपीपी	यू -1	600	अप्रैल-12	जून -13	16190 (6 यूनिट की लागत)	16190 (6 यूनिट की लागत)	0
		यू-2	600	अगस्त-12	अक्टूबर -13			
		यू-3	600	दिसंबर-12	जून -14			
		यू-4	600	अप्रैल-13	अगस्त -14			

छत्तीसगढ़	अवंथा भंदर टीपीएस,यू-1	यू-1	600	जुलाई-12	सितंबर -13	2872	3850	978
छत्तीसगढ़	बाराडारा टीपीपी (डीबी पा. टीपीपी)	यू-1	600	मार्च-13	अगस्त -13	6533	6640	107
		यू-2	600	जुलाई-13	जनवरी -14			
छत्तीसगढ़	बाल्को टीपीपी	यू-1	300	फरवरी-11	मार्च -14	4650 (4 यूनिट की लागत)	4650 (4 यूनिट की लागत)	0
		यू-2	300	नवंबर-10	जनवरी -14			
छत्तीसगढ़	बंदकहार टीपीपी	यू-1	300	दिसंबर-12	अगस्त -14	1456	1456	0
छत्तीसगढ़	बिंजकोट टीपीपी	यू-1	300	अगस्त-14	सितंबर -14	5058	6848.1	1790.1
		यू-2	300	नवंबर-14	दिसंबर -14			
		यू-3	300	फरवरी-14	मार्च -15			
		यू-4	300	मई-14	जून -15			
छत्तीसगढ़	लेंको अमरकंटक टीपीएस- ङङ	यू-3	660	जनवरी -13	मई -14	6886	7700	814
		यू-4	660	मार्च-13	सितंबर -14			
छत्तीसगढ़	राइखेड़ा टीपीपी	यू-1	685	सितंबर-13	मई -14	8290	8290	0
		यू-2	685	जनवरी -14	नवंबर -14			
छत्तीसगढ़	सिंहितारई टीपीपी	यू-1	600	जून-14	फरवरी -15	4650	6200	1550
		यू-2	600	सितंबर-14	मई -15			
छत्तीसगढ़	स्वास्तिक टीपीपी	यू-1	25	जून-12	मई -13	136	142	6
छत्तीसगढ़	तामनर टीपीपी (ओ.पी.जिंदल)	यू-1	600	जनवरी -14	फरवरी -14	12800 (4 यूनिट)	12800 (4 यूनिट)	0
		यू-2	600	अप्रैल-14	जून -14			
		यू-3	600	सितंबर-14	मार्च -15			
		यू-4	600	नवंबर-14	अक्टूबर -15			
छत्तीसगढ़	टीआरएन एनर्जी टीपीपी	यू-1	300	दिसंबर-13	अगस्त -14	2844	2844	0
		यू-2	300	अप्रैल-14	दिसंबर -14			
छत्तीसगढ़	उचपिंडा टीपीपी	यू-1	360	मई-12	अक्टूबर -13	6653.61	6653.61	0
		यू-2	360	नवंबर-12	जनवरी -14			
		यू-3	360	फरवरी-13	अप्रैल -14			
		यू-4	360	जुलाई-13	जुलाई -14			
छत्तीसगढ़	वंदना विद्युत टीपीपी- छत्तीसगढ़	यू-1	135	जुलाई-11	मार्च -13	1458.44	1458.44	0
		यू-2	135	सितंबर-11	अगस्त -13			
झारखंड	महादेव प्रसाद एसटीपीपी चरण.ङ	यू-2	270	मार्च-12	जुलाई -13	3151 (2 यूनिट)	3151 (2 यूनिट)	0
झारखंड	मैत्रिसी उषा टीपीपी - चरण-ङ	यू-1	270	मई-12	जुलाई -13	2900	2900	0
		यू-2	270	जून-12	नवंबर -13			
झारखंड	मैत्रिसी उषा टीपीपी चरण-ङङ	यू-3	270	फरवरी-13	जनवरी -14	3182	3182	
		यू-4	270	मार्च-13	मार्च -14			
झारखंड	तोरि टीपीपी	यू-1	600	जून-13	अप्रैल -15	5700	5700	0
		यू-2	600	जून-14	अगस्त -15			
महाराष्ट्र	अमरावती टीपीपी चरण-ङ	यू-1	270	दिसंबर-11	मार्च -13	6889	6889	0
		यू-2	270	दिसंबर-11	जून -13			
		यू-3	270	जनवरी-12	सितंबर -13			
		यू-4	270	फरवरी-12	दिसंबर -13			
		यू-5	270	मार्च-12	मार्च -14			
महाराष्ट्र	अमरावती टीपीपी चरण-ङङ	यू-1	270	जुलाई-14	।	6646	6646	0
		यू-2	270	सितंबर-14	।			
		यू-3	270	नवंबर-14	।			
		यू-4	270	जनवरी-15	।			
		यू-5	270	मार्च-15	।			
महाराष्ट्र	बेला टीपीपी-ङ	यू-1	270	दिसंबर-11	मार्च -13	1477	1768	291
महाराष्ट्र	धारीवाल इन्फ्रास्ट्रक्चर टीपीपी	यू-1	300	फरवरी-12	अप्रैल -13	2850	2878	28
		यू-2	300	मई-12	अगस्त -13			

महाराष्ट्र	एमको वारोरा टीपीपी	यू-2	300	फरवरी-12	जून -13	3480	3480	0
महाराष्ट्र	लैंको विदर्भ टीपीपी	यू-1	660	जनवरी-14	सितंबर -14	6936	6936	0
		यू-2	660	मई-14	जनवरी -15			
महाराष्ट्र	नासिक टीपीपी चरण-I	यू-1	270	फरवरी-12	मई -13	6789	6789	0
		यू-2	270	अप्रैल-12	अगस्त -13			
		यू-3	270	जून-12	नवंबर -14			
		यू-4	270	अगस्त-12	जनवरी -15			
		यू-5	270	अक्टू-12	मार्च -15			
महाराष्ट्र	नासिक टीपीपी चरण-II	यू-1	270	अप्रैल-13	I	6789	6789	0
		यू-2	270	जून-13	I			
		यू-3	270	अगस्त-13	I			
		यू-4	270	अक्टूबर-13	I			
		यू-5	270	दिसंबर-13	I			
महाराष्ट्र	तिरोरा टीपीपी चरण-I	यू-2	660	जुलाई-11	मार्च -13	6560 (2यूनिट)	7309 (2 यूनिट)	749
महाराष्ट्र	तिरोरा टीपीपी चरण-II	यू-1	660	अक्टूबर-11	अप्रैल -13	8993	9635	642
		यू-2	660	जुलाई-12	अगस्त -13			
		यू-3	660	अक्टूबर-12	नवंबर -13			
मध्य प्रदेश	अनूपुर टीपीपी चरण-I	यू-1	600	अप्रैल-13	जुलाई -13	6240	6240	0
		यू-2	600	अगस्त-13	फरवरी -15			
मध्य प्रदेश	बीना टीपीपी	यू-2	250	नवंबर-11	मार्च -13	2750 (2 यूनिट)	2750 (2 यूनिट)	0
मध्य प्रदेश	गॉर्गी टीपीपी (डी बी पावर)	यू-1	660	जून-13	जून -16	6640 (2 यूनिट)	6640 (2 यूनिट)	0
मध्य प्रदेश	माहन टीपीपी	यू-2	600	सितंबर-11	मई -13	4860 (2 यूनिट)	4860 (2 यूनिट)	0
मध्य प्रदेश	निगरी टीपीपी	यू-1	660	जून-13	मार्च -14	8100	8100	0
		यू-2	660	दिसंबर-13	जून -14			
मध्य प्रदेश	सियोनी टीपीपी चरण-I	यू-1	600	मार्च-13	जनवरी -14	2910	2910	0
ओडिशा	दिरंग टीपीपी	यू-1	600	मार्च-12	नवंबर -13	5961	5961	0
		यू-2	600	जून-12	फरवरी -14			
ओडिशा	इंड भारत टीपीपी(*ओडिशा*)	यू-1	350	सितंबर-11	सितंबर -13	3185	3185	0
		यू-2	350	दिसंबर-11	दिसंबर -13			
ओडिशा	कामालंगा टीपीपी	यू-1	350	नवंबर-11	मार्च -13	4540	5268	728
		यू-2	350	दिसंबर-11	जून -13			
		यू-3	350	फरवरी-12	सितंबर -13			
ओडिशा	केवीके नीलांचल टीपीपी	यू-1	350	दिसंबर-11	जनवरी -14	4990	4990	0
		यू-2	350	जनवरी-12	अगस्त -15			
		यू-3	350	मार्च-12	अक्टू.-15			
ओडिशा	लैंको बाबंध टीपीपी	यू-1	660	अप्रैल-13	मा.-14	6930	6930	0
		यू-2	660	अगस्त-13	जु.-14			
ओडिशा	मालीब्राह्मनी टीपीपी (मोनेट इस्पात)	यू-1	525	दिसंबर-12	मई-14	5093 (2 यूनिट)	5093 (2 यूनिट)	0
पंजाब	तलबंडी साबो टीपीपी	यू-1	660	अक्टूबर-12	दिसं.-13	10250	10250	0
		यू-2	660	जनवरी-13	अप्रै.-14			
		यू-3	660	मई-13	जु.-14			
राजस्थान	जलिपा कपूरडी टीपीपी	यू-6	135	अगस्त-10	II	5075 (8 यूनिट)	6085 (8 यूनिट)	1010
		यू-7	135	सितंबर-10	II			
		यू-8	135	मार्च-11	II			
राजस्थान	कवाई टीपीपी	यू-1	660	दिसंबर-12	मा.-13	7020	7020	0
		यू-2	660	मार्च-13	जू.-13			

उत्तर प्रदेश	प्रयागराज टीपीपी	यू-1	660	फरवरी-14	जु.-14	11622.3	11622.3	
		यू-2	660	जुलाई-14	नवं.-14			
		यू-3	660	दिसंबर-14	मा.-15			
तमिलनाडु	मेलामरूथ्र टीपीपी	यू-1	600	फरवरी-12	जुल.-13	4800	5158	358
		यू-2	600	मार्च-12	सितं.-13			
तमिलनाडु	तुतिकोरिन टीपीपी (इंड - बारथ टीपीपी)	यू-1	660	मई-12	मा.-16	3595	3595	0

। कार्यस्थल पर कोई कार्य नहीं चल रहा है। स्थल पर कार्य पुनः शुरू होने के पश्चात चालू होने की तिथि निर्धारित की जाएगी।

।। जालिपा खदानों के विकास में देरी के कारण चालू किए जाने की तिथि का निर्धारण जालिपा खदानों के विकास के बाद अथवा विद्यमान खदानों से उत्पादन बढ़ाने की अनुमति मिलने के बाद किया जाएगा।

अनुबंध-रूज

राज्य सभा मे दिनांक 12.03.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1692 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

<u>लागत आधिक्य वाली जल विद्युत परियोजनाएं</u>

क्रम सं.	परियोजना का नाम, क्षमता राज्य	संभावित कमीशनिंग **कार्यक्रम**		परियोजना लागत, करोड़ रूपये में, मूल्य स्तर		लागत आधिक्य
		आरंभिक महीना/वर्ष	अद्यतन महीना/वर्ष	आरंभिक	अद्यतन	करोड़ रूपये
	केंद्रीय क्षेत्र					
1	कोल डैम (4न्200 मेगावाट) एच.पी.	अप्रैल-09 2008-10	2014-15	4527.15 (12/01)	6358.91 (12/01)	1831.76
2	तपोवन विष्णुगढ़ (4न्130 मेगावाट) उत्तराखंड	मार्च 13 2012-13	2015-16	2978.48	2978.48	शून्य
3	पारे (2न्55 मेगावाट) एआर.पीडी	अगस्त-12 2012-13	2014-15	573.99 (06/07)	573.99 (06/07)	शून्य
4	तुरियल (2न्30 मेगावाट) मिजोरम	जुलाई-06 2006-07	2016-17	368.72 (06/97)	913.63 (03/10)	544.91
5	कमेंग (4न्150 मेगावाट) एआर. पीडी	दिसंबर 09 2009-10	2016-17	2496.90 (03/04)	5139.00	2643.90
6	टिहरी पीएसएस (4न्250 मेगावाट) उत्तराखंड	जुलाई- 10 2010-11	2017-18	1657.60 (12/05)	2978.86 (04/10)	1321.26
7	रामपुर (6न्68.67 मेगावाट) हिमाचल प्रदेश	जनवरी-12 2011-12	2013-15	2047.03	2047.03	शून्य
8	पार्वती-रूरूरू (4न्130 मेगावाट) एचपी	नबंवर-10 2010-11	2012-14	2304.56 (05/05)	2716.00	411.44
9	निमौ बेजगो (3न्15 मेगावाट) जम्मू एवं कश्मीर	अगस्त-10 2010-11	2013-14	611.01 (12/2005)	936.10 (अनुमानित)	325.09
10	तीस्ता लो डैम-रूरूरू (4न्33 मेगावाट) पश्चिम बंगाल	मार्च-07 2006-07	2012-14	768.92 (12/02)	1628 (अनुमानित)	859.08
11	तीस्ता लो डैमद्व रूज	सितंबर-09	2014-15	1061.38	1502.0	440..62

IBM

	(4¬40 मेगावाट) पश्चिम बंगाल	2009-10		(03/05)		
12	पार्वती द्ध रूरू (4¬200 मेगावाट) हिमाचल प्रदेश	सितंबर-09 2009-10	2016-17	3919.59 (12/01)	5366 (अनुमानित)	1446.41
13	सूबनसिरी लोअर (8¬250 मेगावाट) एआर.पीडी./ असम	सितंबर-10 2010-11	2016-18	6285.33 (12/02)	10667 (अनुमानित)	4381.67
14	उरईत्-रूरू (4¬60 मेगावाट) जम्मू एवं कश्मीर	नवंबर-09 2009-10	2012-13	1724.79 (02/05)	2081 (अनुमानित)	356.21
15	किशनगंगा 3 ¬110 मेगावाट जम्मू एवं कश्मीर	जनवरी-16 2015-16	2016-17	3642.04 (11/07)	3642.04 (11/07)	शून्य
राज्य क्षेत्र						
जम्मू और कश्मीर						
16	बगलिहार-रूरू (3¬150 मेगावाट)	2014-15	2016-17	2113.09	2113.09	शून्य
हिमाचल प्रदेश						
17	कसांग-रू (1¬65 मेगावाट)	2013-14	2014-15	1078.00	1078.00	शून्य
18	कसांग-रूरू और रूरूरू (1¬65 ‍३ 1¬65 मेगावाट)	2013-14	2015-16			
19	यूएचएल-रूरूरू (3¬33.33 मेगावाट)	मार्च-07 2006-07	2014-15	431.56 (09/02)	940.84 (03/08)	509.28
20	सौरा कुड्डु (3¬37 मेगावाट)	दिसंबर-10 2010-11	2014-15	558.53	1181.90 (03/12)	623.37
21	सैंज(100 मेगावाट)	2013-14	2014-15	725.24	725.24	शून्य
आंध्र प्रदेश						
22	लोअर जुराला (6¬40 मेगावाट)	2011-12	2014-16	908.34 (2007)	1474.83	566.49
23	पुलिंचिंताला (4¬30 मेगावाट)	2011-12	2015-17	380.00 (2006-07)	396.00	16.00
24	नागार्जुन सागर तैल पूल बांध (2¬25 मेगावाट)	नवंबर-08 2008-09	2014-15	464.63 (2002-03)	958.67	494.04
तमिलनाडु						
25	भवानी कट्टालई एच.ई प्रोजेक्ट बैराज रूरू (2¬15 मेगावाट)	मार्च-06 2005-06	2012-13	99.15 (95-96)	497.46	301.44
26	भवानी कट्टालई एच.ई प्रोजेक्ट बैराज रूरूरू (2¬15 मेगावाट)	मार्च-06 2005-06	2012-14	99.75 (99-00)	442.73	342.98
केरल						
27	पाल्लीवासल	अक्टूबर -10	2014-15	222.00 (1999)	268.02	46.02

IBM

	2x30 मेगावाट	2010-11				
28	थोटियर (1x30&1x10) मेगावाट	2012-13	2015-16	136.79 (2007)	144.58	5.7
मेघालय						
29	न्यू उम्तरू2x20 मेगावाट)	2011-12	2014-15	226.40	226.40	शून्य
30	मांटडू (2x42 मेगावाट)& (1x42 मेगावाट)	2006-07	2011-13	363.08 (01/99) आईडीसी और एफसी शामिल	1173.13 (2010) आईडीसी शामिल	810.05
निजी क्षेत्र						
हिमाचल प्रदेश						
31	तिडोंग-x 2x50 मेगावाट	2013-14	2015-16	543.15	543.15	शून्य
32	तांगनु रोमाई-x (2x22 मेगावाट)	2014-15	2015-16	255.00	255..0	शून्य
33	सोरंग (2x50 मेगावाट)	2012-13	2013-14	586.00	586.00	शून्य
उत्तराखंड						
34	श्रीनगर (4x82.5 मेगावाट)	2005-06	2013-15	1699.12 (3/99)	2069.00	369.88
35	सिंगोली भाटवॉरी 3x33 मेगावाट)	2014-15	2015-16	666.47	666.47	शून्य
मध्य प्रदेश						
36	माहेश्वर (10x40 मेगावाट)	2001-02	2013-15	1569.27 (96-97)	2760.00 (2010)	1190.73
सिक्किम						
37	चुजेचेन (2x49.5 मेगावाट)	सितंबर-09 2009-10	2013-14	448.76 (2004)	1044.50	595.74
38	तीस्ता स्टेज xxx (6x200 मेगावाट)	अक्टूबर-11 2011-12	2014-15	5705.55	5705.55	शून्य
39	तीस्ता स्टेज x (4x125 मेगावाट)	2012-13	2015-16	3283.08	3283.08	शून्य
40	रंगित-x एचई प्रोजेक्ट (3x40 मेगावाट)	2012-13	2014-15	726.16	726.16	शून्य
41	जोरथांग लूप (2x28 मेगावाट)	दिसंबर12 2012-13	2014-15	543.15	543.15	शून्य
42	भासमे (2x25.5 मेगावाट)	2012-13	2015-16	408.50	408.50	शून्य

IBM

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1693.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

विद्युत संयंत्रों की क्षमता का उपयोग

1693. श्री राजीव चंद्रशेखरः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कर्णाटक तथा देश के अन्य भागों में स्थित विद्युत संयंत्रों के क्षमता के उपयोग की समीक्षा की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसके क्या परिणाम सामने आए हैं; और

(ग) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कि विद्युत संयंत्र अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करें, क्या कार्रवाई करने का प्रस्ताव रखती है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क), (ख) और (ग) : केंद्र सरकार के अधीन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) आवधिक रूप से अन्य बातों के साथ-साथ कर्नाटक सहित देश के विद्युत संयंत्रों के क्षमता उपयोग की निगरानी करता है। कर्नाटक और देश के अन्य भागों में विद्युत संयंत्रों का निष्पादन जबरन एवं नियोजित बंदियों, कुछ पुरानी यूनिटों के प्रौद्योगिकीय अप्रचलन, लाभग्राही राज्यों से निर्धारण, पारेषण बाधाओं और ताप संयंत्रों के लिए ईंधन की उपलब्धता एवं गुणवत्ता तथा जल विद्युत संयंत्रों के लिए जल की उपलब्धता जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है।

समीक्षा के आधार पर, कम निष्पादन वाले कुछ उत्पादक स्टेशनों के लिए संबंधित विद्युत यूटिलिटियों द्वारा समय-समय पर नवीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्य तथा जीवन-विस्तार हेतु विचार किया जाता है।

विद्युत संयंत्र की पूर्ण क्षमता का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना निम्नानुसार हैः-

1. विद्युत क्षेत्र को कोयला और गैस की बेहतर उपलब्धता।
2. विद्युत संयंत्रों द्वारा बेहतर प्रचालन एवं अनुरक्षण को अपनाना।
3. विद्यमान पुराने थर्मल तथा हाइड्रो विद्युत संयंत्रों का संबंधित विद्युत यूटिलिटियों द्वारा नवीकरण एवं आधुनिकीकरण।

*****

IBM

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1694.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

विभिन्न एजेंसियों द्वारा विद्युत क्षेत्र में निवेश

1694. डॉ. भालचंद्र मुणगेकरः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा निजी क्षेत्र और सार्वजनिक निजी साझेदारी के माध्यम से विद्युत क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों में किए गए निवेश का ब्यौरा क्या है;

(ख) विभिन्न स्रोतों के माध्यम से और उक्त एजेंसियों द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान कितनी मात्रा में बिजली का उत्पादन किया गया है; और

(ग) देश में विद्युत की आवश्यकता और उपलब्धता में कितना अन्तर है और इस अन्तर को पूरा करने के लिए अल्प, मध्यम और दीर्घकालिक योजनाएं क्या-क्या हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) : केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण में उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार विद्युत क्षेत्र में 2009-10 से 2011-12 तक निवेश के आंकड़े निम्नानुसार हैं-

अखिल भारत	**विद्युत में निवेश (रु. करोड़ में)**		
	2009-10	**2010-11**	**2011-12**
केंद्रीय क्षेत्र	38461.81	36772.44	39931.56
राज्य क्षेत्र	52037.16	55528.23	51669.37
निजी क्षेत्र	43335.15	72334.32	69356.88
कुल	**133834.12**	**164634.99**	**160957.81**

टिप्पणीः (त) आंकड़े अनंतिम हैं;
(त्त) कैप्टिव विद्युत संयंत्रों के व्यय शामिल नहीं किए गए हैं;
(त्त्त) निजी निवेश के आंकड़े अपूर्ण हैं।

जारी.....2

IBM

(ख) सकल विद्युत उत्पादन के वर्ष-वार, स्रोत-वार ब्यौरे नीचे दिए गए हैं-

स्रोत	**सकल ऊर्जा उत्पादन (बीयू)**			
	2009-10	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13।ट्**
थर्मल	640.877	665.008	708.806	631.436
हाइड्रो	106.680	114.257	130.510	99.071
न्यूक्लियर	18.636	26.266	32.287	27.450
भूटान आयात	5.358	5.611	5.284	4.710
कुल	771.551	811.143	876.887	762.667
।जनवरी, 2013 तक।				
द्रजनवरी, 2013 माह के अनंतिम आंकड़े शामिल हैं।				

(ग) : वर्ष 2009-10, 2010-11, 2011-12 तथा 2012-13 (जनवरी, 2013 तक) के दौरान कमी सहित विद्युत आपूर्ति की स्थिति के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं-

वर्ष	**व्यस्ततम (मेगावट)**				**ऊर्जा (एमयू)**			
	व्यस्ततम मांग	**व्यस्ततम पूर्ति**	**कमी**		**आवश्यकता**	**उपलब्धता**	**कमी**	
			मेगावट	ऽ			**एमयू**	ऽ
2009-10	119116	104009	15157	12.7	830594	746644	83950	10.1
2010-11	122287	110256	12031	9.8	861591	788355	73236	8.5
2011-12	130006	116191	13815	10.6	937199	857886	79313	8.5
2012-13 (जनवरी, 2013 तक)।	135453	123294	12159	9.0	833230	759849	73381	8.8

।अनंतिम

देश में विद्युत की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं-

(त) 12वीं योजना अवधि (2012-17) के दौरान 88,537 मेगावाट की क्षमता अभिवृद्धि।
(त्त) चालू उत्पादन परियोजनाओं की क्षमता अभिवृद्धि की गहन निगरानी।
(त्त्त) संयुक्त उद्यमों के माध्यम से विद्युत उपस्करों की घरेलू विनिर्माण क्षमता का संवर्द्धन।
(त्ध) 4,000 मेगावाट प्रत्येक की अल्ट्रा मेगा विद्युत परियोजनाओं का विकास और हाइड्रो, थर्मल, न्यूक्लियर तथा गैस आधारित स्टेशनों की विद्यमान उत्पादन क्षमता का इष्टतम उपयोग करने के लिए इनका समन्वित प्रचालन एवं अनुरक्षण।
(ध) देशी स्रोतों से थर्मल विद्युत स्टेशनों को कोयले की आपूर्तियों में कमी को पूरा करने के लिए विद्युत यूटिलिटियों द्वारा कोयले के आयात पर बल।
(ध्त) पुराने एवं अकुशल उत्पादन यूनिटों का नवीकरण, आधुनिकीकरण एवं जीवन-विस्तार।
(ध्त्त) उपलब्ध विद्युत का इष्टतम उपयोग करने के लिए अन्तर-राज्यीय तथा अन्तर्क्षेत्रीय पारेषण क्षमता का सुदृढ़ीकरण।

****

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1695.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

दुलहस्ती एचईपी के संबंध में कार्य समूह की सिफारिश

1695. श्री जी. एन. रतनपुरीः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या माननीय प्रधान मंत्री ने उनके द्वारा गठित कार्य समूह की सिफारिशों के अनुसरण में दुलहस्ती जल विद्युत परियोजना (एचईपी) को जम्मू और कश्मीर राज्य को हस्तांतरित किए जाने की सार्वजनिक घोषणा की हैं;

(ख) सरकार ने उक्त कार्य समूह की सिफारिशों को किस सीमा तक लागू किया है; और

(ग) कार्य समूह की कौन-कौन सी अन्य सिफारिशें सरकार के समक्ष विचाराधीन हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क): माननीय प्रधानमंत्री द्वारा जम्मू एवं कश्मीर के विकास के संबंध में डा. सी. रंगराजन की अध्यक्षता में दिनांक 29.05.2005 को गठित कार्य बल ने अन्य बातों के साथ-साथ एनएचपीसी की दुलहस्ती जल विद्युत परियोजना (एचईपी) सहित कुछ विद्युत परियोजनाओं को राज्य सरकार को हस्तांतरित किए जाने की सिफारिश की है ।

(ख) और (ग): इन सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति **अनुबंध** पर है ।

****

IBM

अनुबंध

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1695 के भाग(ख)और (ग) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

****

(क) **दुलहस्ती परियोजना का हस्तांतरण ।**

केन्द्रीय सरकार ने निर्णय लिया है कि संभावित वित्तीय, विधिक उलझनों इत्यादि के कारण दुलहस्ती एचईपी का हस्तांतरण संभव नहीं है ।

(ख) **बरसार का हस्तांतरण**

वर्तमान में बरसार एचईपी की एनएचपीसी द्वारा सर्वेक्षण एवं जांच की जा रही है ।

(ग) **दीर्घावधि उपाय**

कार्यबल द्वारा सिफारिश की गई अन्य परियोजनाओं के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है :

परियोजना का नाम	**संस्थापित क्षमता (मेगावाट)**	**स्थिति**
किरू	660	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सीईए को प्रस्तुत की गई है ।
क्वार	560	सीईए ने डीपीआर वापस कर दी है ।
रातल	850	सीईए द्वारा 19.12.2012 को डीपीआर स्वीकृत की गई थी ।
शामनोट	370	पीएफआर तैयार की गई ।
सावलकोट	1350ॐ56	सीईए द्वारा डीपीआर लौटायी गई ।

(घ) **जम्मू एवं कश्मीर में जल-विद्युत संभाव्यता के विकास के लिए नीतिगत ढांचा।**

सिफारिशों के अनुसार, जून, 2010 में जेकेएसपीडीसी द्वारा *जम्मू एवं कश्मीर की संशोधित राज्य जल-विद्युत नीति का ड्राफ्ट* तैयार किया गया है ।

****

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1696.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवारों को बिजली के कनेक्शन की सुविधा दिया जाना

1696. श्री रामविलास पासवानः

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देश में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के कुल कितने परिवार हैं और उनमें से कितने परिवारों को राज्य-वार बिजली का कनेक्शन की सुविधा प्राप्त है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में 442.27 लाख अनुसूचित जाति और 233.29 लाख अनुसूचित जनजाति के घर हैं और इनमें से 261.05 लाख अनुसूचित जाति और 120.60 लाख अनुसूचित जनजातियों ने पिछले 12 महीने की अधिकांश अवधि में विद्युत का प्रकाश के मुख्य स्रोत के रूप में उपयोग किया। राज्यवार ब्यौरा **अनुबंध-1** पर है।

भारत सरकार ने ग्रामीण घरों को विद्युत पहुंचाने के लिए ग्रामीण विद्युत अवसंरचना का सृजन तथा घरों का विद्युतीकरण करने के लिए अप्रैल, 2005 में राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) कार्यक्रम आरम्भ किया। स्कीम के अंतर्गत 7,80,90,874 ग्रामीण घरों में से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के घरों सहित 2,29,39,511 बीपीएल घरों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन जारी करने के लिए शामिल किया गया है। संचयी रूप से दिनांक 31.01.2013 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के घरों सहित 2,05,15,472 बीपीएल घरों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। राज्यवार ब्यौरे **अनुबंध-2** पर हैं।

****

IBM

अनुबंध -I

राज्य सभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1696 के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

****

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति घरों की राज्यवार कुल संख्या एवं विद्युत के प्रकाश के मुख्य स्त्रोत के रूप में (2011 के अनुसार)

आंकड़े लाख में

क्र. सं.	राज्य/यूटी	अनूसूचित जाति के घरों की कुल संख्या	अनूसूचित जाति के विद्युत को रोशनी के मुख्य स्त्रोत के रूप में उपयोग करने वाले घर	अनूसूचित जनजाति के घरों की कुल संख्या	अनूसूचित जनजाति के विद्युत को रोशनी के मुख्य स्त्रोत के रूप में उपयोग करने वाले घर
1	आंध्र प्रदेश	36.72	32.48	15.6	12.49
2	अरूणाचल प्रदेश			1.73	1.15
3	असम	6.73	2.66	8.87	2.48
4	बिहार	32.31	3.16	4.24	0.49
5	झारखंड	7.94	3.08	17.18	5.04
6	गोवा	0.13	0.12	0.33	0.32
7	गुजरात	9.95	9.21	18.37	14.7
8	हरियाणा	10.51	8.83		
9	हिमाचल प्रदेश	3.69	3.53	0.92	0.87
10	जम्मू व कश्मीर	1.98	1.8	2.62	1.57
11	कर्नाटक	21.4	18.21	9.37	7.83
12	केरल	7.51	6.48	1.36	0.85
13	मध्य प्रदेश	24.6	16.04	32.14	17.35
14	छत्तीसगढ़	7.88	6.49	17.48	9.92
15	महाराष्ट्र	33.11	26.41	24.46	14.62
16	मणिपुर	0.28	0.18	1.74	1
17	मेघालय	0.16	0.11	4.57	2.7
18	मिजोरम	0.04	0.03	2.12	1.78
19	नागालैंड			3.49	2.83
20	ओडिशा	17.8	6.2	22.4	3.5
21	पंजाब	18.67	17.56		
22	राजस्थान	23.18	13.96	18.36	7.28
23	सिक्किम	0.08	0.07	0.46	0.42
24	तमिलनाडु	37.59	33.92	3.85	3.25
25	त्रिपुरा	1.65	1.21	2.59	1.22
26	उत्तर प्रदेश	76.49	18.41	5.13	1.88
27	उत्तराखंड	3.77	3.01	0.63	0.53
28	पश्चिम बंगाल	51.4	21.32	12.73	4.03
29	चंडीगढ़	0.44	0.43		
30	दिल्ली	5.7	5.61		
31	दमन एवं दीव	0.02	0.02	0.03	0.03
32	दादर नागर हवेली	0.03	0.03	0.33	0.3
33	लक्षद्वीप			0.1	0.1
34	पुडुचेरी	0.48	0.45		
35	अंदमान एवं निकोबार			0.08	0.07
कुल(अखिल भारतीय)लाख में		442.27	261.05	233.29	120.6

IBM

अनुबंध -II

राज्य सभा में दिनांक **12.3.2013** को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या **1696** के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

****

आरजीजीवीवाई के अंतर्गत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित बीपीएल घरों की कवरेज और निःशुल्क विद्युत कनेक्शन जारी किए जाने का राज्यवार ब्यौरा

क्रम सं.	राज्य	बीपीएल घरों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन जारी किया जाना	
		कवरेज	**31.01.2013** के अनुसार संचयी उपलब्धि
1	आंध्र प्रदेश	2484665	2783390
2	अरूणाचल प्रदेश	40726	24615
3	असम	1150597	882554
4	बिहार	2761010	2305704
5	छत्तीसगढ़	903500	944103
6	गुजरात	742094	827788
7	हरियाणा	235841	194461
8	हिमाचल प्रदेश	13196	14753
9	जम्मू व कश्मीर	81217	51012
10	झारखंड	1803377	1283770
11	कर्नाटक	950437	856401
12	केरल	55732	52993
13	मध्य प्रदेश	1320184	942734
14	महाराष्ट्र	1183603	1180284
15	मणिपुर	107369	28814
16	मेघालय	109696	83067
17	मिजोरम	27417	15144
18	नागालैंड	69899	36062
19	ओडिशा	3045979	2802221
20	पंजाब	148860	79104
21	राजस्थान	1224417	1120242
22	सिक्किम	11458	9695
23	तमिलनाडू	502865	501202
24	त्रिपुरा	107506	97625
25	उत्तर प्रदेश	963778	1042593
26	उत्तराखंड	238522	234593
27	पश्चिम बंगाल	2655566	2120548
	कुल	**22939511**	**20515472**

****

IBM

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1697.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन, संयुक्त उपक्रम परियोजना की स्थिति

1697. श्री बलविंदर सिंह भुंडरः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सार्वजनिक उपक्रमों ने विदेशी या घरेलू साझेदारों के साथ कितने समझौता-ज्ञापनों (एमओयू)/संयुक्त उपक्रम परियोजना (जेवीपी) पर हस्ताक्षर किए हैं;

(ख) इन समझौता ज्ञापन/संयुक्त उपक्रम परियोजनाओं में से प्रत्येक पर किन-किन तिथियों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और हस्ताक्षर किए जाने के क्या प्रयोजन हैं;

(ग) प्रत्येक समझौता ज्ञापन/संयुक्त उपक्रम परियोजना की क्या स्थिति है; और

(घ) समझौता ज्ञापन/जे.वी.पी. कब तक फलीभूत/पूरे होंगे?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) से (घ)- विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) संयुक्त उद्यम परियोजनाओं (जेवीपी) की संख्या नीचे दी गई है तथा प्रत्येक विद्युत क्षेत्र पीएसयू के प्रत्येक एमओयू/जेवीपी के विवरण अनुबंध में हैं ।

क्रम सं.	पीएसयू का नाम	एमओयू/जेवीपी की संख्या	अभियुक्तियां
1.	एनटीपीसी लिमिटेड	10	घरेलू भागीदारों के साथ 8 तथा विदेशी भागीदारों के साथ 2 एमओयू/जेवीपी हस्ताक्षरित किए गए । विवरण **अनुबंध-रु** पर हैं।
2.	एनएचपीसी	6	विवरण **अनुबंध-रुरु** पर हैं ।
3.	पीजीसीआईएल	24	12 एमओयू (7 विदेशी भागीदारों तथा 5 घरेलू भागीदारों के साथ) तथा 12 जेवीपी (11 घरेलू भागीदारों तथा 1 विदेशी भागीदार के साथ) विवरण **अनुबंध-रुरुरु** पर है ।
4.	पीएफसी	2	पीएफसी/ पीएफसीसीएल के साथ 2 एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं । पीएफसी का कोई संयुक्त उपक्रम नहीं है (जेवीपी) । विवरण **अनुबंध-रुज** पर हैं ।
5.	आरईसी	2	विवरण **अनुबंध-ज** पर हैं ।
6.	एसजेवीएनएल	13	विवरण **अनुबंध-ज्रु** पर हैं ।
7.	टीएचडीसी	12	विवरण **अनुबंध-ज्रुरु** पर हैं ।
8.	नीपको	-	नीपको द्वारा किसी भी विदेशी या घरेलू भागीदार के साथ कोई एमओयू/जेवीपी हस्ताक्षरित नहीं किया गया है ।

IBM

* * * * * * * * * * * * * * * * * * *

अनुबंध-I

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1697 के भाग(क)से(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

एनटीपीसी के एमओयू/जेवीपी का विवरण(विद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए)

क्रम सं.	संयुक्त उद्यम का नाम	जेवी/एमओयू करार की तिथि	उद्देश्य	स्थिति
घरेलू भागीदार के साथ				
1	अरावली पावर कंपनी प्रा. लि. (एनटीपीसी, एचपीजीसीएल एंड आईपीजीसीएल)	14.12.2006	हरियाणा में ताप विद्युत संयंत्र स्थापित करना	500 मेगावाट की तीन यूनिटें झज्जर में चालू की जा चुकी हैं ।
2	मेजा ऊर्जा निगम प्रा. लि. (एनटीपीसी एंड यूपीआरवीयूएनएल)	28.02.2008	उत्तर प्रदेश में ताप विद्युत संयंत्र स्थापित करना	इलाहाबाद जिले की मेजा तहसील में चरण-I(2ग 660 मेगावाट) कोयला आधारित विद्युत संयंत्र का मुख्य संयंत्र मई 2012 में अवार्ड किया गया है ।
3	नबीनगर पावर जेनेरेटिंग कं. प्रा. लि. (एनटीपीसी एंड बीएसईबी)	14.02.2008	बिहार में मुजफ्फरपुर ताप विद्युत संयंत्र स्थापित करना	नबीनगर में 1980 मेगावाट(3ग 660 मेगावाट) की कोयला आधारित विद्युत परियोजना जनवरी, 2013 में अवार्ड की गई है ।
4	*कांटी बिजली उत्पादन निगम लि. (एनटीपीसी एंड बीएसईबी)	26.12.2005	बिहार में मुजफ्फरपुर ताप विद्युत संयंत्र को प्रारंभ करना व प्रचालित करना	चरण-I(2ग 110 मेगावाट आर एंड एम के अधीन) 2ग195 मेगावाट की विस्तार परियोजना का मुख्य संयंत्र मार्च, 2010 में अवार्ड किया गया ।
5	*भारतीय रेल बिजली कंपनी लि. (एनटीपीसी एंड रेलवे)	06.11.2007	रेलवे की आवश्यकता को पूरा करने के लिए ताप विद्युत संयंत्र स्थापित करना	नबीनगर, औरंगाबाद जिले में 1000 मेगावाट कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना (4 ग 250 मेगावाट) का मुख्य संयंत्र जनवरी, 2008 में अवार्ड किया गया ।
6	एनटीपीसी तमिलनाडु इनर्जी कंपनी लि. (एनटीपीसी एंड टीएनईबी)	23.01.2006	तमिलनाडु में ताप विद्युत संयंत्र स्थपित करना	2 ग 500 मेगावाट (यूनिट द्र 1 तथा यूनिटद्र2) चालू की गई । यूनिट द्र3 (1ग 500 मेगावाट) का मुख्य संयंत्र जुलाई, 2009 में अवार्ड किया गया)
7	रत्नागिरी गैस एंड पावर प्रा. लि. (एनटीपीसी, गेल आईएफआईज एंड एमएसईबी)	28.02.2007	मोथबाल्ड डाभोल पावर कंपनी की परिसंपत्तयां हासिल करना	आरजीपीपीएल ले लिया गया है, पुनरूद्धार किया गया है तथा 1967 मेगावाट की संस्थापित क्षमता वाला विद्युत संयंत्र पुनः चालू किया गया है ।

IBM

				आरजीपीपीएल में जनवरी, 2013 में 5 एमएमटीपीए एलएनजी टर्मिनल भी चालू हो गए हैं ।
8	एनटीपीसी -सेल पावर कं. प्रा. लि. (एनटीपीसी एंड सेल)	06.03.2001	सेल के कैप्टिव विद्युत संयंत्रों को हासिल करना तथा प्रचालन करना	एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के पास दुर्गापुर, भिलाई और राउरकेला में स्थित 814 मेगावाट है जिसका यह प्रचालन करती है ।
विदेशी भागीदारों के साथ				
1	बांग्लादेश-इंडिया फ्रेंडशिप पावर कं. (प्रा.) लि.(एनटीपीसी एंड बांग्लादेश पावर डेवेलपमेंट बोर्ड)	29.01.2012	बांग्लादेश में 1320 मेगावाट की कोयला आधारित विद्युत परियोजना(ओं) का विकास करना	परियोजना(2 ग 660मेगावाट) की संभाव्यता रिपोर्ट तैयार की गई है तथा परियोजना करारों को अंतिम रूप दिया जा रहा है ।
2	ट्रीनकोमेली पावर कं. लि. श्रीलंका (एनटीपीसी, पीजीसीआईएल, पीएफसी एंड सिलॉन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड)	06.09.2011	ट्रिनकोमली, श्रीलंका में 2ग 500 मेगावाट के कायेला आधारित विद्युत संयंत्र स्थपित करना	परियोजना करार को अंतिम रूप दिया जा रहा है ।

* एनटीपीसी की सहायक कंपनियां जिसमें एनटीपीसी मुख्य भागीदार है ।

****

<u>अतिरिक्त सूचना</u>

उपर्युक्त के अतिरिक्त, एनटीपीसी ने निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए अन्य घरेलू और विदेशी भागीदारों के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किए हैं तथा जेवी कंपनियां गठित की हैं-

1. सेवाएं- एनर्जी इफीसियंसी सर्विसेज लि., नेशनल हाई पावर टेस्ट लैबोरेटरी प्रा. लि., यूटिलिटी पावरटेक लिमिटेड, एनटीपीसी एल्सटोम पावर सर्विसेज प्रा. लि.(विदेशी भागीदारों के साथ)

2. पिछला एकीकरण- सीआईएल एनटीपीसी ऊर्जा प्रा. लि., एनटीपीसी एससीसीएल ग्लोबल वेंचर पावर लिमिटेड, इंटरनेशनल कोल वेंचर प्रा. लि.

3. विद्युत उपकरण निर्माणः एनटीपीसी भेल पावर प्रोजेक्ट्स प्रा. लि., बीएफ-एनटीपीसी इनर्जी सिस्टम्स लि., ट्रांसफार्मर्स एंड इलेक्ट्रिकल्स केरल लि.

4.विविधीकरण- अणुशक्ति विद्युत निगम लि., नेशनल पावर एक्सचेंज लि., पैन एशियन रिन्यूएबल्स प्रा. लि.(विदेशी भागीदारी के साथ)

अनुबंध-II

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1697 के भाग(क)से(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

एनएचपीसी की संयुक्त उद्यम कंपनियों का विवरण निम्नानुसार हैः

क्र. सं.	संयुक्त उद्यम	जेवी भागीदार/एमओयू हस्ताक्षरित करने की तिथि	उद्देश्य
1	एनएचडीसी*	एनएचपीसी एवं म.प्र. सरकार (51: 49), 01.08.2000	मध्य प्रदेश राज्य में जल विद्युत परियोजनाओं तथा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा संभाव्यता का विकास करने के लिए/एनएचडीसी को नर्मदा बेसिन में इंदिरा सागर परियोजना(1000 मेगावाट) तथा ओमकारेश्वर परियोजना(520 मेगावाट) का निर्माण कार्य सौंपा गया था ।
2	सीवीपीपी	एनएचपीसी, जेकेपीडीसी एवं पीटीसी (49:49:2), 10.10.2008	जम्मू एवं काश्मीर राज्य में पाकलदुल, किरू एवं क्वार (2120 मेगावाट) जल विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन के लिए
3	एलडीएचसीएल	एनएचपीसी एवं मणिपुर सरकार (74: 26),14.9.2007	मणिपुर राज्य में लोकटक डाउनस्ट्रीम जल विद्युत परियोजना (66 मेगावाट) के कार्यान्वयन के लिए ।
4	तिपाईमुख	एनएचपीसी, मणिपुर सरकार एवं नीपको (69: 5: 26), 28.04.2010	मणिपुर राज्य में तिपाईमुख जल विद्युत (एम) परियोजना (1500 मेगावाट) के कार्यान्वयन के लिए ।
5	एनपेक्स	एनएचपीसी, एनटीपीसी, पीएफसी एवं टीसीएस(16.67: 16.67: 16.66: 50), 03.9.2008	राष्ट्र स्तर पर पावर एक्सचेंज स्थापित एवं प्रचालित करना । कंपनी का मुख्य उद्देश्य विद्युत व्यापार को सुविधाजनक बनाने, प्रोन्नत करने, सहायता करने, नियमित करने और प्रबंध करने के लिए पावर एक्सचेंज का व्यवसाय करना है ।
6	एनएचपीटीएलपीएल	एनएचपीसी, एनटीपीसी, पीजीसीआईएल एवं डीवीसी (25: 25: 25: 25), मई 2009	कंपनी का मिशन अद्वितीय ऑन-लाइन हाईपावर शॉर्ट सर्किट परीक्षण सुविधा स्थापित करना है ।

* ये दोनों परियोजनाएं एनएचडीसी द्वारा निर्धारित समय से पहले चालू की जा चुकी हैं ।

म्यनमार में एमओयू/संयुक्त उद्यम परियोजना

एनएचपीसी ने म्यनमार में चिंडविन नदी पर 1200 मेगावाट तमंथी एवं 880 मेगावाट शेजाएं जल विद्युत परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अन्वेषण करने तथा अद्यतन विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए भी परामर्शी कार्य के रूप में, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के साथ 16.09.2008 को प्रत्येक के लिए एक-एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं ।

इससे पहले, 1200 मेगावाट तमंथी जलविद्युत परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के मूल्यांकन के लिए एनएचपीसी लिमिटेड और जलविद्युत कार्यान्वयन विभाग(डीएचपीआई), विद्युत शक्ति मंत्रालय(I)-(एमओईपी-I), म्यनमार केंद्र सरकार (जीओयूएम) के बीच भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे ।

एमईए, भारत सरकार साथ 8 जनवरी, 2010 को करार पर हस्ताक्षर किए गए थे । करार पर हस्ताक्षर भारत सरकार तथा म्यनमार केंद्र सरकार के द्वारा निर्धारित की जाने वाली कार्यप्रणाली पर आधारित कार्यान्वयन किए जाने के लिए, परियोजनाओं के प्रौद्योगिकी-वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य और पर्यावरणीय रूप से स्थायी होने की अध्यधीन, दोनों परियोजनाओं का अतिरिक्त अन्वेषण करने और अद्यतन डीपीआर तैयार करने के उद्देश्य से करारों पर हस्ताक्षर किए गए थे ।

तीन माह की अवधि में, 1200 मेगावाट तमंथी जलविद्युत परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मैसर्स कोलेन्को पावर इंजी, स्विटजरलैंड द्वारा तैयार) तथा 642 मेगावाट शेजाए जल विद्युत परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) (मैसर्स कनसाइ इलैक्ट्रिक पावर कंपनी आईएनसी जापान द्वारा तैयार) तथा साथ ही साथ चिंडविन नदी बेसिन की मास्टर योजना का मूल्यांकन करने और संशोधन तथा अतिरिक्त अध्ययनों, जो इन परियोजनाओं की प्रौद्योगिकी-वाणिज्यिक व्यवहार्यता को स्थापित करने के लिए अपेक्षित हैं, का सुझाव देने के लिए डीएचपीआई, एमओईपी-।, जीओयूएम के साथ 16.09.2008 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे ।

जिला पिथौरागढ़ उत्तराखंड में 210 मेगावाट धौलीगंगा अंतर्स्थ तथा 120 मेगावाट गोरीगंगा--।।।-क जल विद्युत परियोजना के लिए उत्तराखंड सरकार के साथ कार्यान्वयन करार ।

इसके अतिरिक्त, एनएचपीसी ने जिला पिथौरागढ़, उत्तराखंड में 210 मेगावाट धौलीगंगा अंतर्वर्ती तथा 120 मेगावाट गौरीगंगा-।।।-ए जल विद्युत परियोजनाओं के लिए उत्तराखंड सरकार के साथ दो और करारों पर हस्ताक्षर किए हैं ।

परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा उनके चालू होने पर अनुवर्ती प्रचालन और अनुरक्षण को हाथ में लेने के लिए 23.01.2013 को उत्तराखंड सरकार के साथ कार्यान्वयन करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं ।

(ग)- जेवीपी की स्थिति निम्नानुसार हैः

एनएचडीसी

एनएचपीसी ने मध्य प्रदेश में इंदिरा सागर (1000 मेगावाट) तथा ओमकारेश्वर (520 मेगावाट) परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए ने अगस्त 2000 में संयुक्त उद्यम कंपनी अर्थात नर्मदा हाइड्रोइलैक्ट्रिक डेवलपमैंट कारपोरेशन लि. (अब एनएचडीसी लिमिटेड), के गठन के लिए मध्य प्रदेश सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं । इसमें एनएचपीसी प्रमुख शेयरधारी (51%) है । ये दोनों परियोजनाएं एनएचडीसी द्वारा समय से पहले ही चालू की जा चुकी हैं ।

एलडीएचसीएल-लोकटक डाउनस्ट्रीम हाइड्रोइलेक्ट्रिक कारपोरेशन लिमिटेड

एनएचपीसी ने 66 मेगावाट लोकटक डाउनस्ट्रीम परियोजना का संयुक्त उद्यम के अंतर्गत विकास करने के लिए मणिपुर सरकार के साथ सितंबर.07 में एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें एनएचपीसी का हिस्सा 74% है । जेवीसी 23.10.2009 को "लोकटक डाउनस्ट्रीम हाइड्रोइलैक्ट्रिक कारपोरेशन लिमिटेड" के रूप में पंजीकृत किया गया है तथा इस समय परियोजना विभिन्न स्वीकृतियां प्राप्त करने की प्रक्रिया में है ।

तिपाईमुख जलविद्युत परियोजना

परियोजना के कार्यान्वयन के लिए जेवीसी के गठन का एमओयू 28.04.2010 को नई दिल्ली में जेवीसी भागीदारों के बीच हस्ताक्षरित हुआ है । परियोजना के कार्यान्वयन के लिए संयुक्त उद्यम कंपनी स्थापित किए जाने के लिए 22.10.2011 को एनएचपीसी, एसजेवीएन लिमिटेड तथा मणिपुर सरकार के बीच, प्रवर्तक करार पर भी हस्ताक्षर किए गए । तथापि, विद्युत मंत्रालय ने दिनांक 10.12.2012 के पत्र द्वारा एसजेवीएन लि. के स्थान पर, जेवी भागीदार के रूप में 26% हिस्से के साथ नीपको को प्रस्तावित संयुक्त उद्यम में प्रविष्ट करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन की सूचना दे दी है । प्रारूप एम एंड एओए को 27.12.2012 को नीपको को इसके विचारों/टिप्पणियों के लिए अग्रेषित किया गया है । प्रारूप प्रवर्तक करार को भी 09.01.2013 को नीपको तथा मणिपुर सरकार को विचारों तथा टिप्पणियों के लिए अग्रेषित किया गया है ।

जम्मू एवं कश्मीर, सीवीपीपीपीएल के साथ संयुक्त उपक्रम

जम्मू एवं कश्मीर में संयुक्त उद्यम के अंतर्गत, कुल 2100 मेगावाट की पाकलदूल तथा अन्य चेनाब बेसिन परियोजनाओं के विकास के लिए जेके एसपीडीसी, एनएचपीसी तथा पीटीसी के बीच, 2008 में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए । संयुक्त उद्यम कंपनी 13.06.2011 को " चेनाब बेली पावर प्रोजेक्ट्स प्राईवेट लि." के रूप में पंजीकृत

हुई है जिसने एनएचपीसी तथा जेकेएसपीडीसी, प्रत्येक का 49% हिस्सा है तथा 2% हिस्सा पीटीसी का है । सीवीपीपीपीएल के अंतर्गत परियोजनाएं इस समय स्वीकृति के विभिन्न चरणों में हैं ।

राष्ट्रीय पावर एक्सचेंज

राष्ट्र स्तर पर पावर एक्चेंज स्थापित एवं प्रचालित करने के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत एनएचपीसी (16.67%), एनटीपीसी (16.67%), पीएफसी (16.67%) तथा टीपीएस (50%) के बीच संयुक्त उपक्रम कंपनी के रूप में राष्ट्रीय विद्युत एक्सचेंज (एनपीईएक्स) की स्थापना की गई है । सीईआरसी ने एनपीईएक्स का सिद्धांत रूप से अनुमोदन कर दिया है । विद्युत के व्यापार को सुविधा जनक बनाना, प्रोन्नत करना, सहायता करना, विनियमित करना तथा प्रबंध करना, कंपनी के विद्युत एक्सचेंज के व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य है ।

राष्ट्रीय उच्च विद्युत परीक्षण प्रयोगशाला

एनटीपीसी, एनएचपीसी, पीजीसीआईएल और डीवीसी के बीच प्रत्येक की 25% शेयर- धारिता के साथ मई, 09 में संयुक्त उद्यम गठित किया गया है । कंपनी का मिशन अद्वितीय ऑन-लाइन हाईपावर शॉर्ट सर्किट परीक्षण सुविधा स्थापित करना है । यह सुविधा विद्युत उपकरण निर्माण उद्योगों एवं विद्युत आपूर्ति यूटिलिटियों को भारतीय (बीआईएस- भारतीय मानक ब्यूरो) तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के समानुरूप शॉर्ट सर्किट परीक्षण की पूर्ण रेंज प्रदान करने के लिए भारत में पूरी तरह से स्वतंत्र और व्यावसायिक रूप से प्रबंधित स्टैड-एलोन परीक्षण सुविधा होगी । (आरईसी- अंतर्राष्ट्रीय विद्युत-तकनीकी वस्तुएं)

तमांथी एवं शयूजाया जल विद्युत परियोजना

एनएचपीसी द्वारा तमांथी जल विद्युत परियोजना की अद्यतन डीपीआर अक्टूबर, 2011 में तथा शयूजाया जल विद्युत परियोजना की अद्यतन डीपीआर अप्रैल, 2012 के एमईए/एमओपी, भारत सरकार को तथा डीएचपीपी/डीएचपीआई, जीओयूएम को प्रस्तुत की गई है ।

1200 मेगावाट तामंथी जल विद्युत परियोजना म्यांमार की अद्यतन डीपीआर का मूल्यांकन सीईए द्वारा 13 सितंबर, 2012 को अनुमोदित किया गया है तथा सीईए के दिनांक 12.10.12 के पत्र संख्या 2/म्यांमार/1/सीईए/ पीएफसी -2011/6312-15 के द्वारा इसकी सूचना दी गई । भारत में विद्युत को बिक्री-योग्य करने के लिए लागत को कम करने के अगले उपायों तथा परियोजना की कार्य-प्रणाली के कार्यान्वयन को भारत सरकार तथा म्यांमार संघ सरकार के बीच आयोजित चर्चा के आधार पर अंतिम रूप दिया जाना है ।

शयूजाया जल विद्युत परियोजना की अद्यतन डीपीआर की जांच सीईए/सीडब्ल्यूसी/जीएआई/ सीएसएमआरएफ द्वारा की जा रही है ।

जिला पिथौरागढ़, उत्तराखंड में धौलीगंगा अंतर्वर्ती, 210 मेगावाट तथा गोरी गंगा-ख्ख्ख्-ए, 120 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना ।

कार्यान्वयन करारों के अनुसार, परियोजनाएं 45 वर्षों की करार अवधि के साथ बीओओटी (बनाओ, अपनाओ, चलाओं और लौटाओ) के आधार पर की गई हैं । ईआईए/ईएमपी अध्ययन के टीओआर (विचारार्थ-विषय) तथा डीपीआर अद्यतन करने के लिए शेष क्षेत्रीय अन्वेषणों के अनुमोद के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार को आवेदन प्रस्तुत किया जा चुका है । परियोजनाओं को सारी अन्य सांविधिक स्वीकृतियों के बाद भारत सरकार द्वारा सीसीईए स्वीकृति देने के पश्चात सीईए द्वारा अनुमोदित की जाने वाली अनुसूची के अनुसार कार्यान्वित किया जाना प्रस्तावित है ।

****

IBM

अनुबंध-III

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1697 के भाग(क)से(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

विदेशी भागीदारों के साथ पावरग्रिड/पोसोको(पावरग्रिड की सहायक कंपनी) द्वारा समझौता ज्ञापन/करार पर हस्ताक्षर

क्रम सं	हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन/करार तथा वर्तमान में चलन में है	हस्ताक्षर की तारीख	उद्देश्य	वर्तमान स्थिति
पावर ग्रिड द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन/करार				
1.	पावरग्रिड एवं सिग्मा पावर इंजीनियरिंग कनसल्टेंट(एसपीईसी), यूएई, दुबई के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन	26.6.2007	दुबई इलेक्ट्रिसिटी एंड वाटर अथॉरिटी (डीईडब्ल्यूए) के लिए संबद्ध ओएचएल कार्यों सहित 400 केवी जीआईएस के 2 स्टेशनों के लिए इंजीनियरिंग परामर्शी सेवाओं के लिए प्रस्ताव के प्रस्तुतीकरण हेतु । लॉजिस्टिक सपोर्ट प्रदान करने के लिए सिग्मा पावर प्रमुख भागीदार है जबकि पावरग्रिड परामर्शी ठेके के लिए तकनीकी सहायता सेवा प्रदान कर रहा है ।	परामर्शी सेवा ठेके के वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान पूरा होने की संभावना है ।
2	भारत सरकार, श्रीलंका सरकार, पावरग्रिड तथा सिलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीईसी) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	9.6.2010	भारत एवं श्रीलंका इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड के इंटरकनैक्शन के लिए व्यहार्यता अध्ययन	मसौदा व्यवहार्यता रिपोर्ट दिसंबर 2012 में सीईबी को प्रस्तुत कर दी गई है ।
3	केटराको, केन्या के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	12.4.2011	केन्या में विद्युत पारेषण नेटवर्क के विकास के लिए कैटराको को सहायता प्रदान करने हेतु	एमओयू के आधार पर पावरग्रिड ने कैटराको के लिए तीन परामर्शी नियत कार्य सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं । समझौता ज्ञापन 11.4.2013 तक वैध है ।
4	गल्फ कोपरेशन काउंसिल इंटरकनेक्शन अथौरिटी (जीसीसीआईए) के साथ सामान्य सहयोग करार पर हस्ताक्षर	21.9.2011	एचवीडीसी, टेलिकॉम, ग्रिड ऑपरेशन, तकनीकी सेवाएं, तंत्र आयोजना एवं प्रचालन आदि के प्रचालन एवं अनुरक्षण क्षेत्रों में तकनीकी सेवाएं प्रदान करने के लिए	गल्फ क्षेत्र में अवसरों का पता लगाया जा रहा है । समझौता ज्ञापन सितंबर 2013 तक वैध है ।
5	इथोपियन इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (ईईपीसीओ), इथोपिया के साथ समझौता	21.11.2011	इथोपिया में विद्युत पारेषण नेटवर्क के विकास के लिए इप्को को सहायता प्रदान	एमओयू, इथोपिया में स्ट्रेटेजिक वोल्टेज से संबंधित परामर्शी

	ज्ञापन पर हस्ताक्षर		करने के लिए	नियत कार्य पावरग्रिड निष्पादित कर रहा है । एमओयू 20 नवंबर 2013 तक वैध है ।
6	अंतराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), विश्व बैंक की विस्तारित शाखा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	15.3.2012	परियोजना के उपभोक्ताओं को वित्तीय एवं तकनीकी सेवा प्रदान करने के द्वारा एशियन एवं अफ्रीकन महाद्वीप में विकास और/या अपनी/ सह-अपनी पारेषण परियोजना के लिए पारेष्ण परियोजनाओं का पता लगाना एवं मूल्यांकन करने हेतु पावरग्रिड तथा आईएफसी के बीच सहयोग का विस्तार करने हेतु	बंगलादेश में बूट (बिल्ड औन, ऑपेरेट एंड ट्रांसफर) आधार पर संयुक्त पारेषण परियोजनाओं के कार्यान्वयन के अवसरों का पता लगाना है । समझौता ज्ञापन 14.3.2014 तक वैध है ।
पोसोको द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन				
1	लारेंस बारक्ले नेशनल लेबोरेटरी(एलबीएनएल), कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	12.12.2012	पोसोको एवं एलबीएनएल के बीच पावर सिस्टम औपेरेशन, इलेक्ट्रिसिटी मार्केट्स एवं अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों के एकीकरण से संबंधित भावी सहयोग का पता लगाने के लिए सहयोग से संबंधित ।	पोसोको एवं एलबीएनएल के बीच समझौता ज्ञापन प्रचालन में है तथा ज्ञान की भागीदारी की जा रही है ।

घरेलू भागीदारों के साथ पावरग्रिड द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

क्रम सं	हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन	हस्ताक्षर की तारीख	उद्देश्य	वर्तमान स्थिति
1	आईएल एंड एफएस एनर्जी डेवेलपमेंट कंपनी लि. भारत,	6.6.2012	एशिया, मिडिल ईस्ट तथा अफ्रीका के देशों के साथ-साथ भारत के बाहर चुनिंदा क्षेत्रों में तथा पारेषण, उप-पारेषण और वितरण क्षेत्र तथा ऊर्जा क्षेत्र की किसी भी अन्य संबंधित परियोजना में उभर रही अन्य अर्थव्यवस्थाओं में अवसरों की खोज करना ।	अवसर खोजें जा रहे हैं । एमओयू 5 जून, 2014 तक मान्य है ।
2	टेलीकम्यूनिकेशन्स कन्सल्टेन्स इण्डिया लिमिटेड, इण्डिया	16.10.2012	विद्युत पारेषण, परामर्शी सेवाओं, निरीक्षण, तृतीय पक्ष लेखा परीक्षा, विद्युत परियोजनाओं के प्रबोधन एवं पर्यवेक्षण इत्यादि के विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसायिक अवसरों पर संयुक्त रूप से बल देना ।	अक्सर खोजें जा रहे हैं । एमओयू अक्टूबर, 2013 तक मान्य है ।
3	नेशनल एल्यूमीनियम कंपनी लिमिटेड	19.10.2011	अनुसंधान एवं विकास सहित संवाहकों (एल्यूमीनियम एवं एल्यूमीनियम एलॉय) का निर्माण	संभावना अध्ययन किए जा रहे हैं ।
4	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	16.12.2011	अनुसंधान एवं विकास सहित टावर के पुर्जो का निर्माण	संभावना अध्ययन किए जा रहे हैं ।
5	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	27.07.2012	इलैक्ट्रिक ग्रेड सीआरजीओ/सीआरएनओ स्टील का निर्माण ।	इस्पात मंत्रालय द्वारा संयुक्त उद्यम में पाइलट परियोजना नियमित करने के लिए की गई पहल के परिप्रेक्ष्य में संभावना अध्ययन प्रारंभ नहीं किए गए ।

IBM

घरेलू भागीदारों के साथ पावरग्रिड की संयुक्त उद्यम परियोजनाएं

क्रम सं.	जेवीसी का नाम (जेवी भागीदार)	एसएचए/जेवी करार /एमओयू पर हस्ताक्षर की तिथि	उद्देश्य	वर्तमान स्थिति
1.	पावरलिंक्स ट्रांसमिशन लिमिटेड.ङ्क पावरग्रिड (49%) एवं टाटा पावर (51%)ट	04.07.2003	ताला एचईपी (1020 मेगावाट) भूटान के साथ संबंद्ध 400 केवी पारेषण लाइनों का कार्यान्वयन	परियोजना उत्तरोत्तर रूप से अगस्त, 2006 तक चालू हुई
2.	टोरंट पावरग्रिड लिमिटेड ङ्कपावरग्रिड (26%) एवं टोरंट पावर लिमिटेड (74%)ट	15.06.2006	सूरत, गुजरात में सुजन में 1100 मेगावाट गैस आधारित विद्युत परियोजना के साथ संबंद्ध 400 केवी डी/सी सुजन पिराना पारेषण प्रणाली का कार्यान्वयन	परियोजना उत्तरोत्तर रूप से मार्च, 2011 तक चालू हुई
3.	जे.पी. पावरग्रिड लिमिटेड ङ्कपावरग्रिड (26%) एवं जेपी पावर वेन्चर लिमिटेड (74%)ट	22.02.2007	जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश में 1000 मेगावाट की कडछम वांगतू जल विद्युत परियोजना के साथ संबद्ध 400 केवी डी/सी कडछम वांगतू अब्दुलापुर पारेषण लाइन का कार्यान्वयन	परियोजना उत्तरोत्तर रूप से अप्रैल, 2012 तक चालू हुई
4.	तीस्तावैली पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड. ङ्क पावरग्रिड (26%) एवं तीस्ता ऊर्जा लिमिटेड (74%)ट	06.08.2008	सिक्किम में 1200 मेगावाट तीस्ता-रूरूरू एचईपी के साथ संबद्ध तीस्ता-रूरूरू किशनगंज 400 केवी डी/सी लाइन का कार्यान्वयन	परियोजना कार्यान्वयनाधीन है तथा दिसंबर, 2013 तक इसके पूरा होने की आशा है ।
5.	नार्थ-ईस्ट ट्रांसमीशन कंपनी लिमिटेड. ङ्क पावरग्रिड (26%) एवं ओपीटीसीएल (जेवी के मध्य ओएनजीसी, आईएल एवं एफएस और गवर्नमेंट ऑफ त्रिपुरा) (30%), असम सरकार (13%) त्रिपुरा सरकार (10%) मणिपुर सरकार (6%) मेघालय सरकार (5%) मिजोरम सरकार (10%)ट	03.02.2009	त्रिपुरा राज्य में 726 मेगावाट पलराना गैस आधारित विद्युत परियोजना से विद्युत निकासी के लिए 400 केवी डी/सी पलटाना-सिल्चर बौंगाईगांव पारेषण लाइन का कार्यान्वयन	पलटाना सिल्चर खंड पहले ही अगस्त, 2012 तक चालू किया जा चुका है तथा सिल्चर-बैरनिहट खंड फरवरी, 2013 में चालू हो चुका है । बैरनिहट-बौंगाईगांव खंड वित्त वर्ष 2013-14 तक पूरा होने की आशा है ।
6.	पार्वती कोलडैम ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड ङ्क पावरग्रिड (26%) एवं रिलाइंस इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (74%)ट	23.11.2007	हिमाचल प्रदेश में पार्वती-रूरू (800 मेगावाट एचईपी तथा कोलडैम (800 मेगावाट) एचईपी के साथ संबद्ध पार्वती-रूरू -कोलडैम एवं कोलडैम-लुधियाना 400 केवी लाइनों का कार्यान्वयन	कार्यान्वयनाधीन तथा सितंबर, 2013 तक पूरा होने की आशा है।
7.	नेशनल हाई पावर टेस्ट लेबोरेटरी प्राईवेट लिमिटेड. ङ्क पावरग्रिड (20%) एवं एनटीपीसी लिमिटेड. (20%), एनएचपीसी (20%), दामोदर वेली, कारपोरेशन (20%), सेन्ट्रल पावर रिसर्च इन्स्टीयूट (20%),ट	08.04.2009	भारत में आनॅ-लाइन हाई पावर शॉर्ट सर्किट परीक्षण सुविधा की स्थापना	कार्यान्वयनाधीन तथा दिसंबर, 2013 तक पूरा होने की आशा है।

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1697 के भाग(क)से(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

पीएफसी द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू का विवरण :

1. पावर फाइनेन्स कारपोरेशन लि. तथा न्यूक्लीयर पावर कारपोरशन लि. (एनपीसीआईएल)
   हस्ताक्षर की तिथि : - 28.10.2012
   उद्देश्य : - स्थापित की जाने वाली नाभिकीय परियोजनाओं के वित्तपोषण में सहयोग को सुविधाजनक बनाना
   स्थिति : - काकरापर परमाणु विद्युत केन्द्र यूनिट 3 एवं 4 (2ग 700 मेगावाट) की स्थापना के लिए 8021 करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता की संस्वीकृति पर विचार किया है । अंतिम संस्वीकृति एनपीसीआईएल द्वारा ब्याज दर स्वीकार्यता के अध्याधीन है ।

2. पावर फाइनेन्स कारपोरेशन लि. के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पीएफसी कन्सलटेंसी (पीएफसीसीएल) तथा कोल इण्डिया लि. के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इन्स्टीट्यूट लि. (सीएमपीडीआईएल)
   हस्ताक्षर की तिथि : - 18.12.2012
   उद्देश्य : - विद्युत क्षेत्र के विभिन्न ग्राहकों को वाणिज्यिक आधार पर कोयला खान संबंधी कार्यकलापों वाली विद्युत परियोजनाओं को व्यापक परामर्शी सेवाएं प्रस्तुत करने के क्रम में उनकी विशेषज्ञता तथा अनुभव को मिश्रित करने के लिए । स्थापित की जाने वाली नाभिकीय परियोजनाओं के वित्त पोषण में सहयोग की सुविधा देने के लिए ।
   स्थिति : - पीएफसीसीएल तथा सीएमपीडीआईएल, दोनों के द्वारा परामर्शी अवसरों को चिन्हित किया जा रहा है ।

अनुबंध- ज

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1697 के भाग(क)से(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

आरईसी द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों का ब्यौरा निम्नानुसार है :

आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कारपोरेशन लिमिटेड (एपीजेनको), आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक पावर कारपोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल), कर्नाटक के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं , जिनका विवरण निम्नानुसार है ।

क्रम सं.	यूटिलिटी	एमओयू पर हस्ताक्षर करने की तिथि	उद्देश्य	स्थिति
1.	आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कारपोरेशन लिमिटेड (एपीजेनको), आंध्र प्रदेश	16.08.2012	एपीजेनको को उनकी बनने वाली उत्पादन परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना ।	एपीजेनको ने अपनी परियोजनाओं के लिए ऋण प्रस्ताव अभी तक प्रस्तुत नहीं किया है ।
2.	कर्नाटक पावर कोरपोरेशन लि. (केपीसीएल), कर्नाटक	23.01.2013	केपीसीएल को उनकी बनने वाली उत्पादन परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना ।	केपीसीएल ने अपनी परियोजनाओं के लिए ऋण प्रस्ताव अभी तक प्रस्तुत नहीं किया है ।

आरईसी, एनटीपीसी, पीएफसी तथा पीजीसीआईएल के बीच, एक कंपनी अर्थात एनर्जी एफिशियन्सी सर्विसेज लि. निगमित करने के लिए 19.11.2009 को संयुक्त उद्यम करार निष्पादित हुआ था ।

IBM

अनुबंध-ज्ञ

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1697 के भाग(क)से(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

एसजेवीएनएल द्वारा हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन के विवरण निम्नानुसार हैं-

क्रम सं.	परियोजना का नाम	एमओयू संविदा/जेवी हस्ताक्षर की तिथि	एजेंसी	उद्देश्य	स्थिति
1	नाथपा झाकरी जल विद्युत केंद्र	23 जुलाई , 1991(संविदा)	हिमाचल प्रदेश सरकार एवं, विद्युत एवं एनईएस मंत्रालय, भारत सरकार	नाथपा झाकरी जल विद्युत परियोजना का निष्पादन	6,612 मि.यू. के वार्षिक डिजाइन ऊर्जा उत्पादन क्षमता के साथ 2004 से प्रचालनरत
2	रामपुर जल विद्युत परियोजना	20 अक्टूबर , 2004 (कार्यान्वयन करार)	एमपीपी और विद्युत, हिमाचल प्रदेश सरकार	रामपुर जल विद्युत परियोजना का निष्पादन	निर्माण के अंतरिम चरण के अंतर्गत, दिसंबर 2013 से उत्तरोत्तर रूप से चालू होने की अनुसूची
3	लूहरी जल विद्युत परियोजना	27 अक्टूबर, 2008(एमओयू)	एमपीपी और विद्युत, हिमाचल प्रदेश सरकार	लूहरी जल विद्युत परियोजना का निष्पादन	• 22.1.2013 की एफएसी बैठक में वन स्वीकृति के लिए प्रस्ताव की सिफारिश की गई है । • ईएसी ने नवंबर 2012 में पर्यावरण स्वीकृति की सिफारिश की । • पर्यावरणीय रिलीज में वृद्धि होने के कारण क्षमता कम होकर 588 मेगावाट रह गई है तथा डीपीआर को तदनुसार संशोधित किया गया है ।
4	धौलासिद्ध जल विद्युत परियोजना	27 अक्टूबर, 2008 (एमओयू)	एमपीपी और विद्युत, हिमाचल प्रदेश सरकार	धौलासिद्ध जल विद्युत परियोजना का निष्पादन	• हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 25 जून 2011 को टीईसी स्वीकृत की गई । • निवेश अनुमोदन के लिए प्रस्ताव भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया । • ईएसी ने 20.7.2012 को पर्यावरण स्वीकृति के लिए मामले की संस्तुति की । • 6.3.2012 को चरण-। वनीय स्वीकृति प्रदान की गई ।
5	देवसारी जल विद्युत परियोजना	21 नवंबर, 2005 (कार्यान्वयन करार)	सिंचाई एवं विद्युत विभाग, उत्तरांचल सरकार	देवसारी जल विद्युत परियोजना का निष्पादन	• सीईए द्वारा 7.8.2012 को परियोजना के लिए टीईसी स्वीकृति प्रदान की गई । • 27.12.2011 को आयोजित ईएसी बैठक में पर्यावरण स्वीकृति के लिए सिफारिश की गई । • चरण-। की वन स्वीकृति के लिए दूसरी बैठक में एमओईएफ के एफएसी प्रभावित

IBM

					गांवों की ग्रामसभा से एनओसी प्राप्त करने के लिए निर्देश दिए जिसे प्राप्त किया जा रहा है ।
6	नैटवार मोरी जल विद्युत परियोजना	21, नवंबर, 2005 (कार्यान्वयन करार)	सिंचाई एवं विद्युत विभाग, उत्तरांचल सरकार	नैटवार मोरी जल विद्युत परियोजना का निष्पादन	• उत्तराखंड सरकार ने 2.3.2010 को परियोजना के लिए टीईसी स्वीकृति प्रदान की । • ईएसी ने 27.12.2011 को पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए परियोजना की संस्तुति की • नोडल ऑफिसर द्वारा परियोजना भूमि परिवर्तन मामले को एमओईएफ आरओ लखनऊ को 19.1.2013 को प्रेषित किया । • राज्य सलाहकार ग्रुप, देहरादून द्वारा मामले पर विचार किया जा रहा है ।
7	जखोल संकरी जल विद्युत परियोजना	21, नवंबर, 2005 (कार्यान्वयन करार)	सिंचाई एवं विद्युत विभाग, उत्तरांचल सरकार	जखोल संकरी जल विद्युत परियोजना का निष्पादन	• उत्तराखंड सरकार को 29.12.2011 को डीपीआर प्रस्तुत की गयी, जिसकी जाँच की जा रही है । • वन स्वीकृति के लिए स्टेट बोर्ड ऑफ वाइल्ड लाइफ (एसबीडब्ल्यूएल) की स्वीकृति के बाद नेशनल बोर्ड औफ वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्ल्यूएल) की स्वीकृति अपेक्षित है । उत्तराखंड सरकार के एसबीडब्ल्यूएल के साथ मामले को उठाया जा रहा है । • एसबीडब्ल्यूएल तथा एनबीडब्ल्यू एल की स्वीकृति मिलने के पश्चात पर्यावरण एवं वन स्वीकृति निर्भर करती है ।
8	अरूण-III जल विद्युत परियोजना	02, मार्च 2008 (एमओयू)	नेपाल सरकार	अरूण-III जल विद्युत परियोजना का निष्पादन	• सीईए एवं नेपाल सरकार को 31.5.2011 को डीपीआर प्रस्तुत की गई तथा इसकी जाँच की जा रही है । • विस्तृत परियोजना करार (डीपीए) पर हस्ताक्षर अपेक्षित हैं। • ईआईए/ईएमपी से संबंधित स्कोपिंग दस्तावेज/टीओआर 27.12.2012 को नेपाल सरकार के विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण मंत्रालय(एमओएसटीई) द्वारा अनुमोदित किए गए ।
9	वांगचू जल विद्युत परियोजना	12, अक्टूबर 2010 (करार)	ऊर्जा विभाग, आर्थिक कार्य मंत्रालय, भूटान शाही सरकार	वांगछू जल विद्युत परियोजना की डीपीआर की तैयारी	• 30.12.2011 को सीईए को डीपीआर प्रस्तुत की गई • एसजेवीएन को ड्रुक ग्रीन पावर कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम में इस परियोजना को निष्पादित करने का अधिदेश है । संयुक्त उद्यम करार को अंतिम रूप दिया जा रहा है • पर्यावरण एवं वन स्वीकृति आरजीओबी के विचाराधीन है
10	खोलोंगछू जल विद्युत परियोजना	22 दिसंबर, 2009 (करार)	ऊर्जा विभाग, आर्थिक कार्य मंत्रालय, भूटान शाही सरकार	खोलोंगछू जल विद्युत परियोजना की डीपीआर की तैयारी	• सीईए एवं भूटान शाही सरकार (आरजीओबी) को दिनांक 30.6.2011 को डीपीआर प्रस्तुत की गई । • सैद्धांतिक रूप से डीपीआर का अनुमोदन मिला । • एसजेवीएन को ड्रुक ग्रीन पावर कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम में इस परियोजना को

					निष्पादित करने का अधिदेश है । संयुक्त उद्यम करार को अंतिम रूप दिया जा रहा है • पर्यावरण एवं वन स्वीकृति भूटान शाही सरकार के विचाराधीन है ।
11	बक्सर ताप विद्युत परियोजना	17, जनवरी 2013 (एमओयू)	बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड एवं बिहार पावर इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी	1320 मेगावाट बक्सर ताप विद्युत परियोजना का कार्यान्वयन	• 1320 बक्सर ताप विद्युत परियोजना एवं अन्य पीएमसी गतिविधियों की समीक्षा एवं उन्नयन के लिए परामर्शी कार्यों को कार्यान्वित करने हेतु एनटीपीसी एवं निकोन से संपर्क किया गया • पूर्वनिर्माण गतिविधियों से संबंधित खर्च को बनाने के लिए पीआईबी नोट विद्युत मंत्रालय भारत को 13.2.2013 को प्रस्तुत किया गया । • इस परियोजना के लिए बनाई गई बक्सर बिजली कंपनी प्रा. लि. के स्वामित्व का एसजेवीएन के पास स्थानांतरण की प्रक्रिया प्रगति पर है ।
12	नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना	29 मई, 2012 (एमओयू)	भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लि.(आईआरईडीए)	अक्षय ऊर्जा परियोजना विकास के लिए आपसी सहयोग हेतु	किसी विशिष्ट परियोजना प्रस्ताव को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है ।
13	क्रॉस बॉर्डर पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड(सीपीटीसी)	09 जुलाई, 2012(शेयर धारक करार)	पीजीसीआईएल, आईएल एवं एफएसईडीसीएल एवं नेपाल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी	400 केवी डी/सी मुजफ्फरपुर-धालकेबार पारेषण लाइन का विकास	• मार्ग, विस्तृत सर्वेक्षण विवरण एवं डीपीआर का कार्य पूरा हो गया है । • ईए 2003 की धारा 68 एवं 164 का अनुमोदन प्राप्त हो गया है । • पारेषण लाइसेंस 22.3.2011 को प्राप्त हुआ । • सीपीटीसी एवं एनईए के बीच कार्यान्वयन एवं पारेषण सेवा करार (आईटीएसए) करार पर 13.12.2011 को हस्ताक्षर हो गए हैं । • पीजीसीआईएल, आईईडीसीएल, एसजेवीएनएल एवं एनईए के बीच शेयर होल्डर करार (एसएचए) पर 9.7.2012 को हस्ताक्षर किए गए । • पीजीसीआईएल को पीएमसी के रूप में 10.8.2012 को नियुक्त किया गया है । • ईपीसीएल के लिए बोली विनिर्देशन को पीएमसी द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है एवं निटके मार्च 2013 के दूसरे सप्ताह के दौरान चालू होने का कार्यक्रम । • इसके लिए संगम ज्ञापन पर 25.6.2009 को हस्ताक्षर किए गए ।

अनुबंध- ज्स्र्ड

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1697 के भाग(क)से(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

टीएचडीसी इण्डिया लिमिटेड द्वारा सरकार/अन्य पीएसयू के द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

टीएचडीसीएल ने सरकार/अन्य पीएसयू के द्वारा निम्नलिखित एमओयू हस्ताक्षरित किए हैं :

1. **उत्तराखंड सरकार के साथ एमओयू :**
   (क) विष्णुगढ़ पीपलाकोटी एचईपी के कार्यान्वयन से संबंधित एमओयू पर 8 अप्रैल, 2003 को हस्ताक्षर किए गए ।
   (ख) झेलम तमक एचईपी के कार्यान्वयन करार पर 21 नबंवर, 2005 को हस्ताक्षर किए गए ।
   (ग) मलारी झेलम एचईपी के कार्यान्वयन करार पर 21 नबंवर, 2005 को हस्ताक्षर किए गए ।
   (घ) कारमोली एचईपी के कार्यान्वयन करार पर 21 नबंवर, 2005 को हस्ताक्षर किए गए ।
   (ङ) जाड गंगा एचईपी के कार्यान्वयन करार पर 21 नबंवर, 2005 को हस्ताक्षर किए गए ।
   (च) बोकांग बेलिंग एचईपी के कार्यान्वयन करार पर 21 नबंवर, 2005 को हस्ताक्षर किए गए ।
   (छ) गोदाना ताल एचईपी के कार्यान्वयन करार पर 21 नबंवर, 2005 को हस्ताक्षर किए गए ।

2. **उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एमओयू :**
   (क) ढूकवन लघु जल विद्युत परियोजना के कार्यान्वयन करार पर 2 सितंबर, 2009 को हस्ताक्षर किए गए ।
   (ख) खुर्जा एनटीपीपी (1320 मेगावाट) से संबंधित कार्यान्वयन करार पर 31.12.2010 को हस्ताक्षर किए गए ।

3. **भूटान शाही सरकार के साथ एमओयू :**
   (क) सनकोश एमपीपी (4060 मेगावाट) की डीपीआर को अद्यतन करने के लिए ऊर्जा विभाग, भूटान शाही सरकार के साथ 23 मार्च, 2010 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए ।
   (ख) बुनखा एचईपी (180 मेगावाट) की डीपीआर को अद्यतन करने के लिए ऊर्जा विभाग, भूटान शाही सरकार के साथ 24 जून, 2010 को हस्ताक्षर किए गए ।

4. **न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ एमओयू:**

भारत तथा बाहर जल विद्युत परियोजनाएं तथा साथ ही साथ पंप्ड स्टोरेज स्कीमें चिन्हित किए जाने के लिए टीएचडीसीआईएल और एनपीसीआईएल के बीच 27.02.2007 को हस्ताक्षर किए गए हैं। महाराष्ट्र में जल विद्युत विकसित करने के लिए , महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल, 08 को डीपीआर को अद्यतन करने तथा व्यवहार्यता चिन्हित करने के लिए दो पंप्ड स्टोरेज अर्थात मालशेज घाट पीएसएस (600 मेगावाट) तथा हुमवर्ती पीएसएस (400 मेगावाट) आबंटित की है ।

****

IBM

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1698.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

बिजली की कमी से जूझ रहे राज्यों को अधिशेष बिजली की आपूर्ति

1698. श्री हुसैन दलवईः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने राज्य बिजली की कमी का सामना कर रहे हैं और कितने अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर रहे हैं;

(ख) क्या बिजली की कमी वाले राज्यों को बिजली दिए जाने की कोई प्रणाली विद्यमान है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या कुछ राज्य अपनी अधिशेष बिजली की कमी से जूझ रहे राज्यों को दे पाने की स्थिति में नहीं हैं; और

(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) देश के सभी राज्यों में विद्युत की समग्र कमी है। विद्युत की मांग और उपलब्धता पर निर्भर करते हुए विद्युत की कमी, माह दर माह और दिन-प्रतिदिन के आधार पर राज्य दर राज्य में भिन्न-भिन्न होती है।

IBM

अवधि के दौरान विद्युत की मांग और उपलब्धता पर निर्भर करते हुए कुछ राज्यों में अधिशेष विद्युत की प्राप्ति, मौसमी आधार पर या एक माह में कुछ दिनों के लिए या दिन/वर्ष में निश्चित घंटों के लिए होती है। चालू वर्ष (अप्रैल से दिसम्बर, 2012) के दौरान विद्युत की कमी वाले अन्य राज्यों को हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम राज्यों और डीवीसी से ऊर्जा का शुद्ध निर्यात किया गया था।

(ख) और (ग) राज्य सामान्यतः विद्युत एक्सचेंजों ट्रेडिंग लाइसेंसियों और द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से अधिशेष विद्युत का निपटान करते हैं।

(घ) और (ड़) जी हां। विद्युत के विक्रय में बाधाएं विद्युत की विशिष्ट लागत पर उचित क्रेताओं की खोज अथवा कुछ कोरीडोरों में पारेषण संबंधी बाधाएं हो सकती हैं।

****

IBM

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1699.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

देश में अति विशाल विद्युत परियोजनाएं

1699. श्री पि. भट्टाचार्यः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में विद्यमान अति विशाल विद्युत परियोजनाओं (यू.एम.पी.पी.) का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार चालू योजना अवधि के दौरान और अधिक यू.एम.पी.पी. बनाने का प्रस्ताव रखती है;

(ग) यदि हां, तो पश्चिम बंगाल सहित तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) गत तीन वर्षों में इस प्रयोजन के लिए आवंटित तथा उपयोग में लाई गई धनराशि का वर्षवार तथा परियोजनावार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

IBM

(क) से (ग)- स्थान एवं स्थिति के ब्यौरे सहित वर्तमान और प्रस्तावित यूएमपीपी की सूची अनुबंध में है। अवार्ड किए गए यूएमपीपी के, विद्युत क्रय करार (पीपीए) में दिए गए कार्यक्रम के अनुसार 12 वीं योजना (तिलैया यूएमपीपी की अंतिम यूनिट के सिवाए, (जिसके 13 वीं योजना में शुरू होने की संभावना है) में शुरू होने की आशा है । वर्तमान में, पश्चिम बंगाल राज्य में यूएमपीपी की स्थापना का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ)- विद्युत मंत्रालय द्वारा शुरू की गई अत्यंत वृहत विद्युत परियोजना (यूएमपीपी) पहल के अंतर्गत, सरकार के किसी वित्तीय आवंटन की परिकल्पना नहीं की गई है। परियोजनाएं न्यूनतम लेवलीकृत प्रशुल्क वाले बोलीदाता को दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय बंदी प्राप्त करने तथा परियोजना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निधियों की व्यवस्था करने का उत्तरदायित्व चिन्हित विकासकर्ताओं का होता है।

****

IBM

अनुबंध

दिनांक 12.03.2013 को राज्यसभा में उतरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1699 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

क. अवार्ड किए गए यूएमपीपी

क्र. सं.	यूएमपीपी	स्थान	स्थिति
		मध्य प्रदेश	
1	सासन (6न्660 मेगावाट)	जिला सिंगरौली, मध्य प्रदेश में सासन	परियोजना दिनांक 7.8.2007 को मैसर्स रिलायन्स पावर लिमिटेड को अवार्ड और स्थांतरित की गई। परियोजना की प्रगति के अनुसार, पहली यूनिट के मार्च, 2013 में और अंतिम यूनिट के जून, 2014 में वाणिज्यिक प्रचालन तारीख (सीओडी) प्राप्त करने की सम्भावना है।
		गुजरात	
2	मुन्द्रा (5न्800 मेगावाट)	जिला कच्छ, गुजरात में टुण्डावन्द गांव में मुन्द्रा	परियोजना दिनांक 24.42007 को मैसर्स टाटा पावर लिमिटेड को अवार्ड और स्थानांतरित की गई। अब तक मार्च, जुलाई, अक्टूबर, 2012 और जनवरी, 2013 में 4 यूनिट चालू की गई हैं । पांचवीं यूनिट को समक्रमणित किया गया है और इसके मार्च, 2013 में सीओडी प्राप्त करने की संभावना है।
		आन्ध्र प्रदेश	
3	कृष्णापटनम (6न्660 मेगावाट)	जिला नेल्लौर आन्ध्रप्रदेश में कृष्णापटनम	परियोजना दिनांक 29.01.2008 को मैसर्स रिलायंस पावर लिमिटेड को अवार्ड और स्थानांतरित की गई। विकासकर्ता ने इंडोनेशिया में कोयले की कीमत के नए विनिमय को दर्शाते हुए कार्य स्थल पर काम रोक दिया है। प्रापकों ने 15.3.2012 को रिलायंस पावर की एक कम्पनी कोस्टल आन्ध्र पावर लिमिटेड (सीएपीएल) को समाप्ति नोटिस जारी किया है। सीएपीएल दिल्ली की माननीय उच्च न्यायालय में चली गई है। न्यायालय ने पीएपीएल की याचिका को खारिज कर दिया है। सीएपीएल ने अब डिविजन बेंच, दिल्ली उच्च न्यायालय और भारतीय मध्यस्थ परिषद में याचिका दाखिल की है। मामला अब न्यायाधीन है। सीएपीएल ने

IBM

			प्रशुल्क में संशोधन हेतु दिसम्बर , 2012 में सीईआरसी के समक्ष भी याचिका दाखिल की है।
झारखण्ड			
4	तिलैया (6न्660) मेगावाट	झारखंड के हजारीबाग तथा कोडरमा जिले में तिलैया गांव के निकट	परियोजना मैसर्स रिलायन्स पावर लिमिटेड को 7.8.2009 को अवार्ड और स्थानांतरित की गई। संयंत्र का निर्माण रुका हुआ है क्योंकि झारखण्ड सरकार द्वारा विकासकर्ता को भूमि सौंपी नहीं गई है।

ख. अन्य यूएमपीपी

		ओडिशा	
5	बेडाबहल	सुन्दरगढ़ जिला, उड़ीसा में बेडाबहल के निकट	परियोजना के विकासकर्ता के चयन के लिए अर्हता हेतु अनुरोध (आरएफक्यू) बोलियाँ 1 अगस्त 2011 को प्राप्त हुई हैं। प्रस्ताव हेतु अनुरोध एसबीडी संशोधित किए जाने के पश्चात् जारी किया जायेगा।
6	ओडिशा में पहला और दूसरा अतिरिक्त यूएमपीपी	तटीय स्थान के लिए भदरक जिले की चन्दबाली तहसील में बिजोय पटना तथा अंतर्स्थल हेतु कालाहाण्डी की नारला और कसिंगा सब डिविजन में स्थल चिन्हित किए गए हैं।	राज्य सरकार के अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा है।
		छत्तीसगढ़	
7	छत्तीसगढ़	जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ में सलका और खमरिया गांवों के समीप	आरएफक्यू 11.6.2010 को जारी किया गया था। छत्तीसगढ़ यूएमपीपी के लिए आरएफक्यू प्रस्तुत करने की तारीख समय समय पर आगे बढ़ायी जा रही है क्योंकि पर्यावरण एवं वन मंत्रालय (एमओईएफ) ने इस यूएमपीपी के कोयला ब्लाकों को "नो गो" क्षेत्र में श्रेणीबद्ध किया है। आरएफक्यू बोलियां प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख अब 3.4.2013 है।
		तमिलनाडु	
8	तमिलनाडु	गांव चेययूर, जिला कांचीपूरम, तमिलनाडु	स्थल को अंतिम रूप दे दिया गया है । आरएफक्यू मानक बोली दस्तावेज (एमबीडी) के संशोधन के पश्चात् जारी किए जाने हैं।
9	तमिलनाडु का दूसरा यूएमपीपी	अंतिम रूप नहीं दिया गया है।	--
		आन्ध्र प्रदेश	
10	आन्ध्रप्रदेश का दूसरा यूएमपीपी	गांव न्यूनिपल्ली, जिला प्रकाशम, आन्ध्रप्रदेश	आरएफक्यू-पूर्व चरण
		झारखण्ड	
11	झारखंड का दूसरा यूएमपीपी	हुसैनाबाद, देवघर जिले में स्थल चिन्हित किया गया है।	--
		गुजरात	
12	गुजरात का दूसरा यूएमपीपी	अंतिम रूप नहीं दिया गया है।	--
		कर्नाटक	
13	कर्नाटक	राज्य सरकार ने मंगलोर तालुका, दक्षिण कन्नड़ जिले के निदोडी गांव में उपयुक्त स्थल चिन्हित किया है।	
		महाराष्ट्र	

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1700.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोतों का संवर्धन

1700. श्रीमती कानीमोझी:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय ऊर्जा विनियामक आयोग (सी.ई.आर.सी.) ने देश में ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोतों को बढ़ावा देने तथा बिजली के क्षेत्र में इसके बाजार के विकास के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित कर दिए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या ये दिशानिर्देश विभिन्न राज्य विद्युत विनियामक आयोगों पर बाध्यकारी हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

IBM

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क)और(ख) : केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) ने देश में ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (नवीकरणीय उर्जा उत्पादन के लिए नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र को मान्यता देने और जारी करने की निबंधन एवं शर्तें) विनियम, 2010 अधिसूचित किए हैं। सीईआरसी आरईसी विनियमों की मुख्य विशेषताएं **अनुबंध-I** पर हैं। सीईआरसी ने विभिन्न आरई प्रौद्योगिकियों के लिए निर्धारण प्रशुल्क हेतु विनियम भी जारी किए हैं।

(ग)और(घ): सीईआरसी आरईसी विनियम अनुबंधित कम्पनियों द्वारा अपने राज्यों में नवीकरणीय क्रय दायित्व की पूर्ति हेतु वैध दस्तावेज के रूप में सीईआरसी आरईसी विनियमों के अंतर्गत जारी आरईसी को मान्यता देते हुए अपने राज्य विशिष्ट आरईसी विनियमों को जारी करने के संबंध में राज्य विद्युत विनियामक आयोग (एसईआरसी)/संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (जेईआरसी) के प्रयासों का अनपूरण करते हैं। 28 राज्यों ने राज्य विशिष्ट आरईसी विनिमय जारी किए हैं। ऐसे राज्यों की सूची **अनुबंध-II** में संलग्न है।

जहां तक प्रशुल्क का संबंध है, विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 61 के अनुसार, सीईआरसी द्वारा विनिर्दिष्ट उत्पादन और पारेषण के प्रशुल्क सिद्धांत एवं कार्यविधियां राज्य विद्युत विनियामक आयोगों के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत हैं।

****

IBM

अनुबंध-I

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1700 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

****

आरईसी फ्रेमवर्क की मुख्य विशेषताएं निम्नवत हैं -

- नवीकरणीय उर्जा प्रमाण पत्र (आरईसी) तंत्र नवीकरणीय उर्जा को प्रोत्साहित करने और नवीकरणीय क्रय दायित्वों (आरपीओ) की पूर्ति को सुगम बनाने के लिए एक बाजार आधारित दस्तावेज है।
- आरईसी तंत्र का उद्देश्य राज्य में आरई संसाधनों की उपलब्धता और नवीकरणीय क्रय दायित्व को पूरा करने के लिए अनुबंधित कम्पनियों की आवश्यकता के बीच के अंतर को दूर करना है।
- आरई उत्पादकों के पास दो विकल्प हैं (1) या तो अधिमान्य प्रशुल्क पर नवीकरणीय उर्जा का विक्रय करना (2) या फिर आरई उत्पादनों से संबद्ध विद्युत उत्पादन एवं पर्यावरणीय ऐट्रीब्यूट्स का पृथक रूप में विक्रय करना।
- पर्यावरणीय ऐट्रीब्यूट्स को आरईसी के रूप में बदला जा सकता है।
- आरई उत्पादकों को नवीकरणीय उर्जा स्रोतों से ग्रिड में प्रवेश कराई गई 1 एमडब्लूएच विद्युत के लिए आरईसी जारी किया जाता है।
- अनुबंधित कंपनियों द्वारा आरईसी का क्रय अधिनियम की धारा 86 (1)(ड.) के अंतर्गत अपने आरपीओ को पूरा करने के लिए किया जाता है। आरईसी का क्रय आरपीओ के अनुपालन हेतु आरई के क्रय के रूप में माना जाएगा।
- इस स्कीम के अंतर्गत एमएनआरई के द्वारा अनुमोदित ग्रिड से संबद्ध आरई प्रौद्योगिकियां पात्र हैं।
- केन्द्रीय एजेंसी राष्ट्रीय स्तर पर आरईसी फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन हेतु पंजीकरण, आरईसी जारी करने का कार्य, रिपोजिटरी तथा अन्य कार्य करती है।
- केवल प्रमाणीकृत परियोजना ही केन्द्रीय एजेंसी में आरईसी के लिए पंजीकृत की जा सकती है।
- आरईसी का विनिमय केवल सीईआरसी अनुमोदित विद्युत एक्सचेंजों में किया जाता है।
- आरईसी का विनिमय स्थगन मूल्य और सीईआरसी द्वारा निर्धारित फ्लोर मूल्य के भीतर किया जाता है।

****

IBM

अनुबंध-II

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1700 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंधः

1. आन्ध्र प्रदेश
2. अरूणाचल प्रदेश
3. असम
4. बिहार
5. छत्तीसगढ़
6. दिल्ली
7. गुजरात
8. हरियाणा
9. हिमाचल प्रदेश
10. जम्मू और कश्मीर
11. जेईआरसी (गोवा और यूटी)
12. झारखंड
13. कर्नाटक
14. केरल
15. मध्य प्रदेश
16. महाराष्ट्र
17. मणिपुर
18. मिजोरम
19. मेघालय
20. नागालैंड
21. ओडिशा

IBM

22. पंजाब
23. राजस्थान
24. तमिलनाडु
25. त्रिपुरा
26. उत्तर प्रदेश
27. उत्तराखंड
28. पश्चिम बंगाल (प्रारूप)

****

IBM

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1701.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

हरियाणा में सबसे अधिक मांग वाले समय में बिजली की कमी

1701. डॉ. कनवर दीप सिंहः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हरियाणा में वर्ष 2012 में अभिलिखित सबसे ज्यादा मांग वाले समय में बिजली की कमी का क्या स्तर रहा है;

(ख) सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या राज्य में ग्रामीण विद्युत आपूर्ति पर विशेष बल दिया जा रहा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

IBM

(क): विद्युत आपूर्ति की स्थिति की निगरानी वित्त वर्ष के आधार पर की जाती है। अप्रैल से दिसम्बर, 2012 के लिए हरियाणा में व्यस्ततमकालीन विद्युत कमी 9 प्रतिशत थी।

(ख): सरकार ने हरियाणा में विद्युत की कमी को पूरा करने के लिए जून, 2012 में उत्तरी क्षेत्र के केन्द्रीय उत्पादन स्टेशनों की अनाबंटित विद्युत को 121 मेगावाट - 188 मेगावाट से बढ़ाकर 308 मेगावाट - 342 मेगावाट कर दिया है।

(ग)से (ड़): विद्युत एक समवर्ती विषय होने के कारण, राज्य में विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं को इसकी आपूर्ति और वितरण की जिम्मेवारी राज्य में संबंधित राज्य सरकार /विद्युत यूटिलिटियों की होती है। राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों सहित विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं को विद्युत की आपूर्ति की प्राथमिकताएं भी राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित की जाती हैं। भारत सरकार केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसयू) के माध्यम से केन्द्रीय क्षेत्र में विद्युत संयंत्रों की स्थापना द्वारा राज्य सरकार के प्रयासों का अनुपूरण करती है।

****

IBM

ाारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1702.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

' नीप्को ' की रंगानाडी परियोजना

1702. श्री बीरेन्द्र प्रसाद वैश्यः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कार्पोरेशन (एन.ई.ई.पी.सी.ओ.) रंगानाडी परियोजना से डिकरांग नदी में अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण उस नदी के बाढ़ से बचाव कार्य हेतु धनराशि प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या असम ने बंदरदेवा जलबहाव क्षेत्र से डिरांग संगम स्थल तक डिकरांग नदी की तल सुरक्षा कार्य के लिए धन दिए जाने के संबंध में ' नीप्को ' से संपर्क साधा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड) उस पर क्या कार्रवाई की गई है; और

(च) नीप्को के रंगानाडी परियोजना से असम को क्या लाभ पहुंचेगा?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

IBM

(क) और (ख) केंद्रीय जल और विद्युत अनुसंधान स्टेशन (सीडब्ल्यूपीआरएस) ने कराए गए अध्ययन के अनुसार, अपने निष्कर्षों में बताया था कि रंगानदी एचईपी की टेल रेस से डिकरांग नदी प्रणाली में छोड़ा गया 160 क्यूमेक जल, डिकरांग नदी के प्रेक्षित फ्लड डिस्चार्ज, जो लगभग 2500 क्यूमेक है, की तुलना में नगण्य है। इस डिस्चार्ज से असम में इसकी धारा से लगे (बंदरदेवा और सिस्सापथेर के बीच) विभिन्न खंडों में केवल 7-12 सेंटीमीटर की रेंज में ही वृद्धि होगी। अतः, कुल परियोजना के भाग के रूप में डिकरांग नदी के बाढ़ सुरक्षा उपाय करने पर विचार नहीं किया गया था।

(ग) जी, नहीं।

(घ) और (ड) प्रश्न नहीं उठता।

(च) नीपको ने सूचित किया है कि असम राज्य रंगानदी परियोजना से उत्पादित विद्युत के 43.33 प्रतिशत हिस्से का हकदार है।

****

IBM

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1703.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा विद्युत पारेषण कंपनियों का अंकेक्षण

अ1703. श्रीमती माया सिंहः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग द्वारा आज की तिथि तक कितनी कंपनियों को पारेषण अनुज्ञप्ति की मंजूरी दी गई है;

(ख) क्या ऐसे कंपनियों के लेखाजोखा की जांच के लिए आयोग द्वारा लेखाकारों की नियुक्ति की जाती है;

(ग) क्या भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) से भी लेखाजोखा कराने की पूर्व बाध्यता शर्तों में रखी गई है, जिससे कंपनियों की स्वतंत्र जांच हो सके और उपभोक्ताओं से ज्यादा वसूली की जानकारी का भी पता लगाया जा सके; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है और यदि हां, तो कितनी कंपनियों के खाते की जांच सीएजी से कराई गई है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) : केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार , नवंबर , 2003 से अक्टूबर , 2011 तक की अवधि के दौरान सीईआरसी द्वारा 17 कंपनियों को अन्तर-राज्यीय पारेषण लाइसेंसों की मंजूरी प्रदान की गई है।

(ख) : सीईआरसी पारेषण कंपनियों के लेखाओं की लेखा परीक्षा करने के लिए लेखा परीक्षकों की नियुक्ति नहीं करती है।

IBM

(ग) और (घ) : कम्पनी अधिनियम , 1956 की धारा 619 के अनुसार , नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के द्वारा सरकारी कंपनी का एक लेखा परीक्षक नियुक्ति किया जाएगा और लेखा परीक्षक सीएजी के नियंत्रण और निर्देशों के अंतर्गत लेखाओं की लेखा परीक्षा करेगा। सरकार के स्वामित्व वाली पारेषण लाइसेंसियों को सीएजी द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षक के द्वारा अपनी लेखा परीक्षा करवानी होगी। सीईआरसी द्वारा विनियमित पारेषण लाइसेंसियों सीईआरसी द्वारा निर्धारित प्रशुल्कों और विनिर्दिष्ट विनियमों के आधार पर प्रभारों की वसूली करती हैं।

****

IBM

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1704.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा बिजली की दरों में वृद्धि

1704. श्री संजय राउतः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश भर के राज्य विद्युत बोर्ड नियमित आधार पर बिजली की दरों को बढ़ा रहे हैं;

(ख) बिजली की दरों में की गई बढ़ोतरी का उपभोक्ताओं पर प्रभाव क्या है;

(ग) क्या मंत्रालय ने राज्यों से पारेषण क्षति में कमी लाने को कहा है; और

(घ) यदि हां, तो सकल पारेषण तथा वाणिज्यिक क्षति (एटी एंड सी) का ठीक-ठीक ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) और (ख): विद्युत अधिनियम, 2003 में विद्युत विनियामक आयोगों को प्रशुल्क निर्धारण का उत्तरदायित्व सौंपा गया है और यह उपभोक्ताओं के लिए प्रशुल्क निर्धारित करने हेतु राज्य/संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (एसईआरसी)/जेईआरसी) को सशक्त बनाता है । इस संबंध में, एसईआरसी/जेईआरसी समय-समय पर

IBM

प्रशुल्क निर्धारण की निबंधन एवं शर्तों को अधिसूचित करते हैं । अधिनियम की धारा 61 में मार्गदर्शी सिद्वांतों की व्यवस्था की गई है जिन पर उपयुक्त आयोग द्वारा प्रशुल्क की निबंधन एवं शर्तों को विनिर्दिष्ट करने के लिए विचार करना होता है । इस अधिनियम के अंतर्गत उपयुक्त आयोग द्वारा किए गए किसी आदेश से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति विद्युत अपीलीय अधिकरण में अपील दाखिल कर सकता है ।

(ग): विद्युत एक समवर्ती विषय है और उप-पारेषण और वितरण खण्ड का तथा वितरण नेटवर्क में सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक (एटी एंड सी) हानियाँ कम करने का उत्तरदायित्व राज्य सरकार तथा विद्युत विभागों/यूटिलिटियों का होता है । भारत सरकार, उन्नत ढंग से उपभोक्ताओं को विद्युत उपलब्ध करवाने के लिए राज्यों के प्रयासों की अनुपूर्ति करते हुए सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करती है ।

तथापि, देश में एटी एंड सी हानियों को कम करने और राज्य यूटिलिटियों के विद्युत वितरण क्षेत्र को सुधारने के उद्देश्य से , भारत सरकार ने 11वीं योजना अवधि के दौरान पुनर्गठित-त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम (आर-एपीडीआरपी) आरंभ किया है । स्कीम के अंतर्गत परियोजनाएँ 2001 की जनगणना के अनुसार, 30,000 (विशेष श्रेणी राज्यों के लिए 10,000) से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में दो भागों में शुरू की जाती हैं । स्कीम का भाग- क बड़े शहरों (जनसंख्याः 4 लाख और वार्षिक ऊर्जा निवेशः 350 एमयू) के लिए ऊर्जा लेखांकन/लेखा परीक्षा और सुपरवाइजरी कन्ट्रोल एण्ड डाटा एक्वीजिशन (स्काडा) हेतु आईटी समर्थित तंत्र स्थापित करने के लिए है, जबकि भाग- ख परियोजना शहरों में विद्युत अवसंरचना के उन्नयन, संवर्द्धन एवं सुदृढ़ीकरण के लिए है । अब तक, आर-एपीडीआरपी के अंतर्गत, 32323.70 करोड़ (भाग- कः 1402 शहरों और 63 शहरों में 63 स्काडा परियोजनाओं को शामिल करते हुए 6638.79 करोड़ रूपयेः भाग- ख : 1132 शहरों में 25684.91 करोड़ रूपये) की परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है ।

(घ): वर्ष 2008-09 से 2010-11 के लिए राज्य विद्युत यूटिलिटियों के निष्पादन पर पावर फाइनेन्स कारपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2008-09, 2009-10 और 2010-11 के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक (एटी एंड सी) हानियाँ **अनुबंध** में हैं ।

****

IBM

अनुबंध

राज्य सभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न सं. 1704 के भाग(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

।।।।।।।।।।

उपभोक्ताओं को सीधे बिक्री करने वाली यूटिलिटियों के लिए एटी एंड सी हानियां(%)

क्षेत्र	राज्य	यूटिलिटी	2008-09	2009-10	2010-11
पूर्वी	बिहार	बीएसईबी	34.37	43.92	47.44
	झारखंड	जेएसईबी	54.16	10.21	46.79
	उड़ीसा	सेसको	46.84	39.98	45.54
		नेसको	38.90	36.70	38.47
		सेसको	50.59	51.00	54.12
		वेसको	37.55	37.58	43.84
	सिक्किम	सिक्किम पीडी	46.81	55.36	51.96
	पश्चिम बंगाल	डब्लूबीएसईडीसीएल	25.81	33.24	27.40
पूर्वोत्तर	अरूणाचल प्रदेश	अरूणाचल प्रदेश पीडी	60.15	58.82	61.45

IBM

	असम	सीएईडीसीएल	39.36		
		एलएईडीसीएल	29.23		
		यूएईडीसीएल	31.42		
		एपीडीसीएल		29.31	29.19
	मणिपुर	मणिपुर पीडी	81.32	47.55	40.17
	मेघालय	मेघालय एसईबी	43.37	48.77	
		मेघालय ईसीएल			51.63
	मिजोरम	मिजोरम पीडी	41.08	38.95	41.00
	नागालैंड	नागालैंड पीडी	44.12	46.16	50.07
	त्रिपुरा	टीएसईसीएल	31.91	29.16	34.48
उत्तरी	**दिल्ली**	बीएसईएस राजधानी	20.59	19.83	15.80
		बीएसईएस यमुना	13.73	28.63	18.13
		एनडीपीएल	17.64	15.68	13.75
	हरियाणा	डीएचबीवीएनएल	32.60	28.11	26.29
		यूएचबीवीएनएल	34.00	30.58	29.85
	हिमाचल प्रदेश	एचपीएसईबी	12.85	18.46	35.48
		एचपीएसईबी लि.			12.22
	जम्मू और कश्मीर	जेएंडके पीडीडी	69.05	70.44	72.86
	पंजाब	पीएसईबी	18.51	17.73	
		पीएसपीसीएल			17.47
	राजस्थान	एवीवीएनएल	31.28	33.04	26.80
		जेडीवीवीएनएल	30.19	31.51	23.73
		जेवीवीएनएल	28.40	26.70	22.66
	उत्तर प्रदेश	डीवीवीएन	28.25	49.62	55.39
		केएससीओ	53.44	51.66	44.11
		एमवीवीएन	29.90	37.58	37.57
		पश्चमी वीवीएन	29.38	27.68	31.61

IBM

		पूर्वी वीवीएन	49.75	27.86	40.43
	उत्तराखंड	उत्तराखंड पीसीएल	39.89	28.35	28.48
दक्षिणी	**आंध्र प्रदेश**	एपीसीपीडीसीएल	14.24	17.93	20.56
		एपीईपीडीसीएल	10.26	9.69	14.51
		एपीएनपीडीसीएल	14.37	18.52	16.07
		एपीएसपीडीसीएल	11.36	16.63	14.20
	कर्नाटक	बेसकोम	19.17	21.10	22.75
		चेसकोम	25.33	28.21	28.73
		जेसकोम	38.80	38.05	25.75
		हेसकोम	33.90	28.51	26.22
		मेसकोम	14.01	18.40	13.75
	केरल	केएसईबी	21.61	14.90	14.09
	पुड्डुचेरी	पुड्डुचेरी	18.47	19.35	14.43
	तमिलनाडु	टीएनईबी	14.39	18.87	19.90
पश्चिमी	**छत्तीसगढ़**	सीएसईबी	30.46		
		सीएसपीडीसीएल	38.29	36.28	28.64
	गोवा	गोवा पीडी	21.69	6.12	14.08
	गुजरात	डीजीवीसीएल	16.11	15.23	13.08
		एमजीवीसीएल	14.98	15.27	14.83
		पीजीवीसीएल	31.78	32.35	26.75
		यूजीवीसीएल	16.31	18.89	7.20
	मध्य प्रदेश	एमपी मध्य क्षेत्र वीवीसीएल	50.24	42.26	43.95
		एमपी पश्चिम क्षेत्र वीवीसीएल	36.38	36.16	31.12
		एमपी पूर्व क्षेत्र वीवीसीएल	55.84	46.11	37.99
	महाराष्ट्र	एमएसईडीसीएल	31.19	25.02	23.30

IBM

टिप्पणीः पारेषण हानियों सहित सिक्किम पीडी(2008-09 से 2010-11 के लिए)ए एपीएसपीडीसीएल(2009-10 और 2010-11 के लिए) और बीएसईएस राजधानी (2010-11 के लिए) की एटी एंड सी हानियां क्योंकि पारेषण हानियों के आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।					
टिप्पणी- जे एंड के पीडीडी की 2008-09 से 2010-11 की संग्रहण कुशलता को उनके द्वारा योजना आयोग को प्रस्तुत संसाधन योजना में उपलब्ध वसूले गए राजस्व के आंकड़ों के आधार पर परिकलित किया गया है ।					

(स्रोतः वर्ष 2008-09 से 2010-11 के लिए राज्य विद्युत यूटिलिटियों के कार्यनिष्पादन पर पीएफसी की रिपोर्ट ।)

||||||||||||

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1705.
जिसका उत्तर 12 मार्च, 2013 को दिया जाना है ।

बिजली चोरी के मामलों का त्वरित निपटान

1705. श्री धीरज प्रसाद साहू:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिजली की चोरी देश में विद्युत क्षेत्र के विकास में एक प्रमुख बाधा है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान बिजली चोरी के दर्ज किए गए मामलों की संख्या क्या है;

(ग) क्या बिजली की चोरी वाले मामलों के त्वरित निपटान हेतु विशेष न्यायालय गठित किए गए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

IBM

(क) : वितरण कंपनियों के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक चुनौती विद्युत क्षेत्र के वितरण खंड में सकल तकनीकी और वाणिज्यिक (एटी एण्ड सी) हानियों को कम करना रही है। एटी एण्ड सी हानियों के दो प्रमुख संघटक होते हैं अर्थात् तकनीकी हानियां और वाणिज्यिक हानियां। विद्युत की चोरी से वाणिज्यिक हानि होती है और इसके परिणामस्वरूप वितरण कंपनियों की बिलयोग्य यूनिटों के घटने से उनके राजस्व में कमी आती है जिससे भुगतानकर्ता उपभोक्ताओं पर परिहार्य भार पड़ता है।

(ख) : उपलब्ध सूचना के आधार पर, विद्युत चोरी के दर्ज मामलों की संख्या **अनुबंध-रु** पर है।

(ग) और (घ) : 27 राज्यों में राज्य सरकार द्वारा विशेष अदालतों का गठन किया गया है, जिसकी सूची **अनुबंध-रुरु** पर है।

****

IBM

अनुबंध-ख

राज्यसभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1705 के भाग(ख) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

||||||||||

		विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में (5.3.2013) तक चोरी के मामले							
राज्य/ संघशासित क्षेत्र	विद्युत यूटिलिटियां	चोरी के मामलों की संख्या	उपभोक्ता की श्रेणी				अभियोजन की संख्या	दंड का ब्यौरा (रूपए लाख में)	टिप्पणियां
			औद्योगिक उपभोक्ता	वाणिज्यिक उपभोक्ता	कृषि उपभोक्ता	घरेलू उपभोक्ता			
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
अंडमान और निकोबार	विद्युत विभाग	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0.00**	
असम	*एपीडीसीएल*	**1690**	**23**	**442**	**1225**		**1164**		तकरीबन सभी मामलों में समझौता हो गया है।
आन्ध्रप्रदेश	*एपीएसपी डीसीएल*								
	2007-08	2723	771	1135	817		0	0.00	
	2008-09	1409	400	883	126		0	0.00	
	2009-10	1943	281	1077	585		0	0.00	
	2010-11	1414	351	767	296		0	0.00	
	कुल	**7489**	**1803**	**3862**	**1824**		**0**	**0.00**	
	एपीएनपीडीसीएल, वारंगल								
	2007-08	157	4	152	1		157	0.00	
	2008-09	173	11	148	14		173	0.00	
	2009-10	139	8	118	13		139	0.00	
	2010-11	163	7	154	2		163	0.00	
	कुल	**632**	**30**	**572**	**30**	**0**	**632**	**0.00**	
	एपीएनपीडीसीएल, करीमनगर								
	2007-08	94	3	90	1		94	0.00	
	2008-09	48	2	46	0		48	0.00	
	2009-10	154	17	128	9		154	0.00	
	2010-11	393	10	86	1		393	0.00	
	कुल	**689**	**32**	**350**	**11**		**689**	**0.00**	

IBM

	एपीएनपीडीसीएल, खम्माम								
	2007-08	223	2	192	29		223	0.00	
	2008-09	112	2	102	8		112	0.00	
	2009-10	72	0	72	0		72	0.00	
	2010-11	71	0	69	2		71	0.00	
	कुल	**478**	**4**	**435**	**39**		**478**	**0.00**	
	एपीएनपीडीसीएल, निजामाबाद								
	2007-08	68	4	64	0		68	0.00	
	2008-09	63	2	60	1		63	0.00	
	2009-10	110	2	107	1		110	0.00	
	2010-11	323	12	304	7		323	0.00	
	कुल	**564**	**20**	**535**	**9**		**564**	**0.00**	
	एपीएनपीडीसीएल, अदीलाबाद								
	2007-08	89	6	83	0		89	0.00	
	2008-09	110	3	106	1		110	0.00	
	2009-10	84	1	83	0		84	0.00	
	2010-11	83	1	82	0		83	0.00	
	कुल	**366**	**11**	**354**	**1**		**366**	**0.00**	
	एपीएनपीडीसीएल में कुल	**2729**	**97**	**2246**	**90**	**0**	**2729**		
	एपीसीडीसीएल	**9305**	**1708**	**7537**	**60**		**4**	0.00	वर्षवार ब्यौरा नहीं दिया गया है। 1 मामले में दण्ड।
	एपीईपीडीसीएल	**3414**	**375**	**2146**	**893**		**38**	0.00	वर्षवार ब्यौरा नहीं दिया गया है। 5 मामलों में दण्ड।
	एपी में कुल	**22937**	**3983**	**15791**	**2867**	**0**	**2771**	0.00	**6 मामलों में दण्ड।**
चंडीगढ़	*ऊर्जा विभाग*								
	2010-11	**256**	**1**	**116**	**2**		**2**	**15.84**	
दिल्ली	***बीएसईएस राजधानी लिमिटेड (बीआरपीएल)***	44003	672	8075	50	35206	5240	725.00	विद्युत (संशोधन) अधिनियम 2007 के पारित होने के पश्चात् मामलों की कुल संख्या।
	बीएसईएस यमुना लिमिटेड (बीवाईपीएल)	55470	2655	10197	0	42618	6123	582.16	
गोवा	*ऊर्जा विभाग*								वर्ष 2008-09 और 2009-10 का

									ब्यौरा नहीं दिया गया है।
	2010-11	0	0	0	0	0	0	0.00	
	2011-2012	10	0	10	0	0	0	3.95	
	गोवा में कुल	**10**	**0**	**10**	**0**	**0**	**0**	**3.95**	
गुजरात	***टीपीएल- अहमदाबाद***								
	2007-08	11158	159	1987	4		2	4.55	३ 2 वर्ष की कठोर सजा और 1 वर्ष की कठोर सजा।
	2008-09	12879	522	2151	7		0	0.00	
	2009-10	12034	747	3841	1		1	0.00	३ 3 वर्ष की कठोर सजा
	2010-11	10526	1211	2824	2		2	2.44	३1 वर्ष की कठोर सजा और 1 वर्ष की कठोर सजा।
	कुल	**46597**	**2639**	**10803**	**14**		**5**	**6.99**	
	टीपीएल-सूरत								
	2007-08	3882	125	297	0		54	1.90	
	2008-09	3915	141	362	0		307	5.18	
	2009-10	3439	100	307	0		263	4.14	
	2010-11	2750	38	170	0		100	0.53	
	कुल	**13986**	**404**	**1136**	**0**		**724**	**11.75**	
	गुजरात में कुल	**60583**	**3043**	**11939**	**14**		**729**	**18.74**	
हरियाणा	***डीएचबीवीएन***								
	2007-08	20700	419	3987	1040		492	3438.44	
	2008-09	22121	322	4070	592		888	4718.43	
	2009-10	23433	150	4571	697		873	4862.21	
	2010-11	18724	54	3708	596		29	4408.46	
	कुल	**84978**	**945**	**16336**	**2925**		**2282**	**17427.54**	
	यूएचबीवीएल								
	2007-08	13538	0	0	0		492	1669.09	
	2008-09	11885	0	0	0		232	1872.18	
	2009-10	20935	0	0	0		84	3469.85	
	2010-11	33310	86	4518	872		67	5211.54	
	कुल	**79668**	**86**	**4518**	**872**		**875**	**12222.66**	
	हरियाणा में कुल	**164646**	**1031**	**20854**	**3797**	**0**	**3157**	**29650.20**	

हिमाचल प्रदेश	***एचपीएसईबीएल***								
	2007-08	302	श्रेणीवार ब्यौरे नहीं दिए गए				0	100.32	।औद्योगिक कृषि और घरेलू उपभोक्ता शामिल है।
	2008-09	553					2	237.84	
	2009-10	321					2	105.67	
	2010-11	194					0	36.58	
	2011-12	211					1	120.40	श्रेणीवार ब्यौरा नहीं दिया गया है।
	2012-13 जून 2012 तक	255					255		
	हिमाचलप्रदेश में कुल	**1836**		**0**	**0**		**4**	**600.81**	
झारखण्ड	***जेएसईबी***								
	2007-08	1118	श्रेणीवार ब्यौरे नहीं दिए गए				0	1050.00	
	2008-09	3235					0	2669.00	
	2009-10	4238					0	2476.00	
	2010-11	6757					0	2032.00	
	झारखंड में कुल	**15348**	**0**	**0**	**0**		**0**	**8227**	
जम्मू और कश्मीर	***ईएम और आर ई***	**1619**	**195**	**650**	**0**	**774**	**0**	**39.96**	वर्षवार ब्यौरा नहीं दिया गया है।
कर्नाटक	***बीईएससीओएम***								
	2007	7071	129	216	0	6726	1542	321.21	
	2008	4754	223	213	1	4317	1251	721.04	
	2009	3346	336	330	8	2672	1009	797.29	
	2010	2334	167	157	8	2002	544	1155.69	
	कुल	**17505**	**855**	**916**	**17**	**15717**	**4346**	**2995.23**	
	एचईएससीओएम								
	2007	3115	413	211	16	2475	219	642.62	
	2008	3775	376	198	5	3196	198	1519.90	
	2009	4004	500	231	11	3262	225	1237.98	
	2010	5175	390	159	7	4619	132	955.94	
	कुल	**16069**	**1679**	**799**	**39**	**13552**	**774**	**4356.44**	
	जीईएससीओएम								
	2007	2350	114	187	1	2048	338	98.68	
	2008	3188	145	222	2	2819	433	210.05	
	2009	4573	312	286	0	3975	913	364.96	
	2010	10309	492	597	0	9220	686	507.57	
	कुल	**20420**	**1063**	**1292**	**3**	**18062**	**2370**	**1181.26**	
	एमईएससीओएम								

	2007	560	15	32	9	504	10	102.96	
	2008	667	26	37	26	578	34	122.45	
	2009	821	21	23	7	770	43	167.23	
	2010	549	19	22	24	484	13	103.92	
	कुल	**2597**	**81**	**114**	**66**	**2336**	**100**	**496.56**	
	सीईएससी								
	2007	1111	81	47	1	982	59	117.79	
	2008	1108	82	59	1	966	15	162.28	
	2009	934	78	48	2	806	57	151.30	
	2010	575	30	25	1	519	5	57.65	
	कुल	**3728**	**271**	**179**	**5**	**3273**	**136**	**489.02**	
	चईएससीएल(हुबली)								
	2007	3418	0				22	1263.15	
	2008	3614	0	श्रेणीवार ब्यौरे नहीं दिए गए			26	1137.79	
	2009	4436	0				79	977.12	
	2010	4006	0				110	867.36	
	कुल	**15474**	**0**	**0**	**0**		**237**	**4245.42**	
	कर्नाटक में कुल	**75793**	**3949**	**3300**	**130**	**52940**	**7963**	**13763.93**	
केरल	***केएसईबी***								श्रेणीवार ब्यौरा नहीं दिया गया है।
	विवरण फरवरी 2011 तक	**1968**	**84**	**384**	**51**		**1**	**1534.44**	
	2011-12 सितम्बर 2011 तक	189	0	0	0	0		179.62	ब्यौरा सितम्बर 2011 तक दिया गया है और श्रेणीवार ब्यौरा नहीं दिया गया है।
	केरले में कुल	**2157**	**84**	**384**	**51**	**0**	**1**	**1714.06**	
मध्यप्रदेश	***एमपीएमकेवीवीसीएल, जबलपुर***	108539	2918	4028	26455		39001	3603.00	
	एमपीएमकेवीवीसीएल, भोपाल	139993	1983	7676	50485		19126	92.00	
	एमपीएमकेवीवीसीएल, इंदौर	117225	762	4316	52256		11810	317.00	
	मध्यप्रदेश में कुल	**365757**	**5663**	**16020**	**129196**		**69937**	**4012.00**	
महाराष्ट्र	***बीईएस एंड टी***								
	2007-08	1018	29	589	शून्य	400	शून्य		
	2008-09	910	14	443	शून्य	453	0		

	2009-10	868	2	356	शून्य	510	0		
	2010-11- दिसं., 2010 तक	428	2	192	शून्य	234	0		
	कुल	**3224**	**47**	**1580**	**0**	**1597**	**0**	**0.00**	
	एमएसईडीसीएल								
	2007-08	5252	193	526	226	4307	15	1.28	134 संख्या के मामले में, दोषी व्यक्ति ने 7.16 लाख रुपये तक का संयोजित शुल्क दिया।
	2008-09	5044	234	509	323	3978	8	3.92	80 मामलों में, दोषी व्यक्ति ने 1.84 लाख रुपये का संयोजित शुल्क दिया।
	2009-10	12027	459	1335	717	9516	15	1.22	37 मामलों में में, 0.88 लाख रुपये का संयोजित शुल्क दिया।
	2010-11	9229	255	1027	349	7598	12	0.92	
	2011-12	13308	220	931	365	11792	10	10.90	3 मामलों में, दोषी व्यक्ति ने 0.12 लाख रुपये का संयोजित शुल्क दिया।
	2012-13 सितम्बर2012 तक	11361	141	423	168	10946	107	137.91	107 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया गया और ट्रायल कोर्ट को भेज दिया गया था।
	कुल	**56221**	**1502**	**4751**	**2148**	**48137**	**167**	**156.15**	
	आरआईएल								
	2007-08	104	12	80	0	12	27	101.99	लगभग सभी मामलों में सुलह हो गई है।
	2008-09	169	12	109	9	48	28	94.23	6 माह का कारावास और 5000रुपए का दण्ड लगाया गया है।
	2009-10	239	6	168	0	65	31	79.94	लगभग सभी मामलों में सुलह हो गई है।
	2010-11- जनवरी, 2011 तक	209	1	159	0	49	28	36.28	लगभग सभी मामलों में सुलह हो गई है।
	कुल	**721**	**31**	**516**	**0**	**174**	**114**	**312.44**	लगभग सभी मामलों में सुलह हो गई है।
	टाटा विद्युत	0	0	0	0	0	0	0.00	
	महराष्ट्र मे कुल	**60166**	**1580**	**6847**	**2148**	**49908**	**281**	**468.59**	
मिजोरम									
विद्युत एवं उर्जा विभाग		0	0	0	0	0	0	**0.00**	
नागालैण्ड	***विद्युत विभाग***	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0.00**	
उड़ीसा	***नेसको लिमिटेड.***								

	2007-08	26	2	6	0	18	26	*0.00*	*अभियोजन विचारण के अधीन है।*
	2008-09	39	2	8	1	28	39	*0.00*	*अभियोजन विचारण के अधीन है।*
	2009-10	60	3	9	3	45	53	*1.78*	*अभियोजन विचारण के अधीन है।*
	2010-11	85	4	14	1	66	77	*6.90*	*अभियोजन विचारण के अधीन है।*
	2011-12	86	6	25	7	48	69	*14.19*	
	2012-13सितम्बर 12 तक	63	4	7	0	52	21	*7.11*	*अभियोजन विचारण के अधीन है।*
	उड़ीसा में कुल	**359**	**21**	**69**	**12**	**257**	**285**	**29.98**	
पुदुचेरी	***ऊर्जा विभाग***	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0.00**	
पंजाब	***पीएसपीसीएल***	**23557**	श्रेणीवार ब्यौरे नहीं दिए गए				**79**	**2216.69**	**श्रेणीवार ब्यौरा नहीं दिया गया है।**
तमिलनाडु	***टीएएलजीईडीसीओ (फरवरी 2011 तक)***	**20393**	**1062**	**7361**	**1829**	**0**	**28**	**5235.2**	वर्षवार ब्यौरा नहीं दिया गया है।
त्रिपुरा	***टीएसईसीएल***								
	2006-07	11610	श्रेणीवार ब्यौरे नहीं दिए गए				358	44.50	84 व्यक्तियों को दण्डित किया गया।
	2007-08	8863					106	31.28	72 व्यक्तियों को दण्डित किया गया।
	2008-09	11353					213	58.95	127 व्यक्तियों को दण्डित किया गया।
	2009-10	12320					22	55.92	15व्यक्तियों को दण्डित किया गया।
	2010-11दिसम्बर, 2010 तक	7231					34	28.28	17 व्यक्तियों को दण्डित किया गया।
	त्रिपुरा में कुल	**51377**	**0**	**0**	**0**	0	**733**	**218.93**	315 व्यक्तियों को दण्डित किया गया।
उत्तर प्रदेश	***यूपीपीसीएल***								
	2008	48319	श्रेणीवार ब्यौरे नहीं दिए गए				33439	28602.32	मूल्यांकन
	2009	35062					21353	22966.63	मूल्यांकन
	2010	39349					26714	2693.14	केवल संयोजित शुल्क
	2011 अक्टूबर 2011 तक	24892					16025	2260.83	केवल संयोजित शुल्क
	कुल	**147622**	**0**	**0**	**0**	**0**	**97531**	**56522.92**	
	केईएससीएल, कानपुर	**1752**	**129**	**373**	**315**		**734**	**474.72**	वर्षवार ब्यौरा नहीं दिया गया है।
	एनपीसीएल							0.00	आंकड़ों में घरेलू और अस्थायी कनेक्शन शामिल हैं।
	2007-08	816।	0	21	44			2.69	
	2008-09	1067।	0	9	26			2.58	
	2009-10	1059।	0	17	18			4.89	
	2010-11दिसम्बर, 2010 तक	1102।	0	15	22			4.73	
	कुल	**4044।**	**0**	**62**	**110**		**0**	**14.89**	**0**
	उत्तर प्रदेश में कुल	**153418**	**129**	**435**	**425**		**98265**	**57012.53**	

पश्चिम बंगाल	*सीईएससी लिमिटेड*	**20408।**	**793**	**1474**			**707**	**7219.00**	घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा चोरी और अनधिकृत चोरी शामिल है।
	डीपीएससी लिमिटेड.	**2**	**2**	**0**	**0**		**2**	**405.91**	एक मामला न्यायालय में लम्बित है।
	डब्लूबीएसईडीसीएल								
	2007-08	1127	418	437	272		772	1339.30	
	2008-09	1132	394	462	276		854	1369.10	
	2009-10	1398	257	753	388		816	1054.96	
	2010-11	414	264	740	410		546	1352.53	
	कुल	**4071**	**1333**	**2392**	**1346**	**0**	**2988**	**5115.89**	
	पश्चिम बंगाल में कुल	**24481**	**2128**	**3866**	**1346**		**3697**	**12740.80**	
देश में कुल		**1146112**	**26220**	**106472**	**143094**	**181703**	**200461**	**137292**	

|||||||||||||||

IBM

अनुबंध-xxx

राज्य सभा में दिनांक 12.3.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न सं. 1705 के भाग (ग)और(घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध ।

।।।।।।।।।।

। विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 153 के अनुसार राज्य सरकारों द्वारा स्थापित की गयी विशेष न्यायालयों की स्थिति (04.03.2013 की स्थिति के अनुसार)

क्रम सं.	राज्य	क्या विशेष न्यायालय का गठन किया गया है अथवा नहीं (अधिनियम की धारा 153)
1.	आंध्र प्रदेश	
2.	असम	हाँ
3.	बिहार	हाँ
4.	छत्तीसगढ़	हाँ
5.	दिल्ली	हाँ
6.	गुजरात	हाँ
7.	हरियाणा	हाँ
8.	हिमाचल प्रदेश	हाँ
9.	झारखंड	हाँ
10.	कर्नाटक	हाँ
11.	केरल	हाँ
12.	मध्य प्रदेश	हाँ
13.	महाराष्ट्र	हाँ
14.	मेघालय	हाँ
15.	ओडिशा	हाँ
16.	पंजाब	हाँ
17.	राजस्थान	हाँ
18.	तमिलनाडू	हाँ
19.	उत्तर प्रदेश	हाँ
20.	उत्तराखंड	हाँ
21.	पश्चिम बंगाल	हाँ
22.	अरूणाचल प्रदेश	नहीं
23.	गोवा	हाँ
24.	जम्मू एवं कश्मीर	हाँ
25.	मणिपुर	हाँ
26.	मिजोरम	नहीं
27.	नागालैंड	हाँ
28.	सिक्किम	हाँ
29.	त्रिपुरा	हाँ

IBM

कुल	27

|||||||